मंगलवार
10 मार्च -2026
वर्ष 10, अंक 183
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

शराब घोटाला केस में केजरीवाल और सिसोदिया को झटका

● दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस,देना होगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आबकारी नीति मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को नोटिस जारी किया है। इस मामले में सभी 23 आरोपियों से सीबीआई की याचिका पर अपने जवाब दाखिल करने को कहा गया है। अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। सोमवार को सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई और उसके जांच अधिकारी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर रोक लगाई। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने राउज एवेन्यू कोर्ट को इस मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की सुनवाई तब तक टालने का भी निर्देश दिया, जब तक कि ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर फैसला नहीं कर लिया जाता। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मांग की थी कि हाईकोर्ट फिलहाल ये आदेश पास करे कि मनी लॉन्ड्रिंग वाले केस पर राउज एवेन्यू कोर्ट के इस फैसले का असर नहीं पड़ेगा। तुषार मेहता ने कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। वैज्ञानिक जांच की गई और साजिश के हर पहलू को साबित किया गया है। इसके बाद, हाईकोर्ट ने साफ किया कि जब तक इस केस का उच्च न्यायालय में निपटारा नहीं हो जाता, तब तक निचली अदालत में दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले पर सुनवाई नहीं होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में 23 अन्य लोगों के साथ बरी कर दिया था। केजरीवाल और सिसोदिया को महीनों जेल में रहने के बाद बरी कर दिया गया था। कोर्ट से बरी होने पर आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन ने बीजेपी पर राजनीतिक लाभ के लिए केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। अरविंद केजरीवाल का आरोप था कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए बीजेपी ने उनके खिलाफ साजिश रची थी। सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

असम विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी उतारेगी सपा

● अखिलेश की तैयारी,राष्ट्रीय पार्टी के लक्ष्य पर नजर

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने के लक्ष्य पर नजर गड़ा दी है। इस रणनीति के तहत पार्टी पहली बार असम विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है सपा पांच से 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। जल्द ही इसका आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। असम में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बताया जा रहा है कि सपा असम के मुस्लिम बहुल इलाकों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी वहां चुनाव प्रचार करने जा सकते हैं। यूपी के बाहर की बात करें तो सपा के महाराष्ट्र में दो विधायक और गुजरात में एक विधायक हैं। यह राष्टीय पार्टी के मानक से काफी कम है। दरअसल, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने के लिए लोकसभा या विधानसभा चुनावों में न्यूनतम चार राज्यों में कुल वैध वोटों का कम से कम 6 प्रतिशत होना जरूरी है। साथ ही लोकसभा में कम से कम चार सीटें होना चाहिए या लोकसभा चुनावों में कम से कम तीन अलग राज्यों से कुल सीटों का 2 प्रतिशत यानी 11 सीटें जीती हों। देखा जाए तो सपा के पास लोकसभा में इससे कहीं ज्यादा सीटें हैं पर वह एक ही राज्य उत्तर प्रदेश में है। इसलिए वह राष्ट्रीय पार्टी के मानकों को पूरा नहीं करती। गौरतलब है कि 2024 में सपा ने लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सीटों के लिहाज से सपा बीजेपी और कांग्रेस के बाद देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। सपा ने बीजेपी के गढ़ माने जाने वाली कई सीटों पर अपना परचम लहराया था। इसमें अयोध्या उल्लेखनीय है। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने के लिए समाजवादी पार्टी की नजर असम विधानसभा चुनावों पर है। असम में इसी साल तक चुनाव होने हैं। सपा अपने परंपरागत मुस्लिम वोटों पर नजर गड़ाए हुए है। इसी रणनीति के तहत सपा असम के मुस्लिम बहुल इलाकों में नजर रख रही है।

मजबूरी में लड़ रहे जंग, जबरन थोपी गई है

● ईरान ने कहा-यह हमारी पसंद नहीं बल्कि मजबूरी है ● तुर्किये-साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से इनकार

● इजराइली हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर घायल

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि वह मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि जंग देश पर जबरन थोपी गई है। जब उनसे सीजफायर के लिए मध्यस्थता की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह की बात करना गलत होगा। बघाई ने कहा कि इस समय सैन्य टकराव जारी है और ऐसे में देश की रक्षा के अलावा किसी दूसरे विषय पर चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस जंग की शुरुआत नहीं की थी। उनके अनुसार देश को अपनी रक्षा के लिए लड़ना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने तुर्किये, साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से भी इनकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इन देशों की दिशा में ईरान की जमीन से कोई हमला शुरू नहीं किया गया। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था।

शंकराचार्य के खिलाफ फिर से पॉक्सो कोर्ट पहुंचे आशुतोष महाराज

● कहा-यात्रा सीतापुर पहुंचने से रोकी जाए, पीड़ित बटुक दहशत में

प्रयागराज (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ एक बार फिर आशुतोष महाराज कोर्ट पहुंचे हैं। सोमवार को प्रयागराज स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में वाद दायर कर 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा' रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा– शंकराचार्य को सीतापुर पहुंचने से रोका जाए, क्योंकि उनके खिलाफ बयान दर्ज कराने वाले बटुक पड़ोसी हरदोई जिले के हैं। यात्रा से बटुक दहशत में हैं। इसी कोर्ट में आशुतोष महाराज ने अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से यौन उत्पीड़न का वाद दाखिल किया था। दरअसल, शंकराचार्य ने 7 मार्च को काशी से अपनी यात्रा शुरू की थी। यात्रा रायबरेली, उन्नाव होते हुए शाम को सीतापुर पहुंचेगी। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर यह यात्रा 11 मार्च को लखनऊ में समाप्त होगी।

नव चयनित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण

दैनिक अलग पहचान, साहिबगंज ब्यूरो, ओम प्रकाश/साहिबगंज।साहिबगंज महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा आरएम-जनमन (RM-JANMAN) एवं डीए-जगुआ (DA-JGUA) योजना के अंतर्गत नव चयनित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण तथा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सिद्धो-कान्हो सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त हेमंत सती एवं उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों का स्वागत नन्हा पौधा भेंट कर किया गया, तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

उपायुक्त हेमंत सती ने अपने संबोधन में नव चयनित सेविका एवं सहायिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों को भोजन कराने का स्थान नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि बच्चे के जन्म से लेकर शुरुआती 1500 दिन उसके मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की देखभाल की जाती है। उन्होंने सेविकाओं से आह्वान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें तथा आंगनबाड़ी केंद्र को अपने दूसरे घर की तरह संचालित करें।

उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने अपने संबोधन में कहा कि नव नियुक्त सेविका एवं सहायिकाओं के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र को नियमित रूप से समय पर खोलने, बच्चों की उपस्थिति, पोषण, स्वच्छता, पेयजल एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से केंद्र की गतिविधियों की ऑनलाइन निगरानी की जाती है, इसलिए सभी पैरामीटर को सही तरीके से दर्ज करना अनिवार्य है।

कार्यक्रम के दौरान कुल 17 नव चयनित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह- प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता,

रांची/ धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए जिले के सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक, दिव्यांग बच्चों के अभिभावक एवं शैक्षिक प्रशंसकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस क्रम में गोविंदपुर एवं झरिया प्रखंड के शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला प्रखंड संसाधन केंद्र गोविंदपुर (राजकीय बुनियादी विद्यालय गोविंदपुर) के सभागार एवं झरिया अकैडमी हाई स्कूल झरिया के सभागार में आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती रूपा चक्रवर्ती, रिसोर्स शिक्षक गोविंदपुर एवं मोहम्मद मुस्तफा अंसारी, फिजियोथैरेपिस्ट गोविंदपुर ने मुख्य रूप से आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 के अंतर्गत परिभाषित दिव्यांगता के विभिन्न श्रेणियां की चर्चा की। दिव्यांगता के आधार पर बच्चों को शैक्षणिक माहौल प्रदान करने के लिए विभिन्न प्राविधियां पर भी चर्चा की गई, ताकि ऐसे बच्चे विद्यालयों के साथ-साथ घर पर भी गृह आधारित प्रशिक्षण से आच्छादित कर शिक्षा के मुख्य धारा में बने रहे। जिला समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण प्रभारी श्री अशोक कुमार पांडेय ने उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय अपने पोषक क्षेत्र में रहने वाले सभी बच्चों का सर्वे कर दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करें। उसकी सूची प्रखंड संसाधन केंद्रों में जमा करें ताकि उनके लिए भी विभागीय योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्हें सहायक उपकरण एवं सामग्रियां आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराई जा सके। कहा विद्यालय में उनका शत् प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। कहा कि ऐसे बच्चे जो बिना किसी सहायता के स्कूल नहीं जा पा रहे हो, उन बच्चों के लिए एस्कॉर्ट भत्ता, ट्रांसपोर्ट भत्ता एवं रीडर भत्ता उपलब्ध कराने हेतु विभागीय योजना में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। वहीं दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को यूनिक डिसेबिलिटी आइडेंटिफिकेशन कार्ड बनाने के लिए पास के प्रज्ञा केदो में भेजने, दिव्यांग बच्चों का चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने का अनुरोध किया। जबकि झरिया प्रखंड में अखलाक अहमद रिसोर्स शिक्षक एवं मनोज कुमार सिंह फिजियोथैरेपिस्ट ने सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का उन्मुखीकरण किया।

रजरप्पा मंदिर में एक युवक से मा'रपीट,चार पुलिसकर्मी ने किया

मारपीट कि विडियो बहुत तेजी से वायरल हुआ ,चारों पुलिस कर्मियों को रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने सस्पेंड कर दिया

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता,

रांची/ रामगढ़। रजरप्पाः रामगढ़ जिले के रजरप्पा मंदिर परिसर में एक युवक के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने सख्त कदम उठाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड किए गए पुलिसकर्मियों में श्याम लाल महतो, राधेश्याम कुजूर, बहादुर उरांव और जॉनसन सुरीन शामिल हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आया और लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। परिवार के साथ दर्शन करने आया था युवक जानकारी के मुताबिक युवक अपने परिवार के साथ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना करने आया था। इसी दौरान मंदिर परिसर में किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि शुरुआत में मामला मामूली कहासुनी का था, लेकिन देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई। आरोप है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवक के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी और बाद में उसकी पिटाई कर दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ पुलिसकर्मी एक युवक को घेरकर धक्का-मुक्की कर रहे हैं और उसके साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। मंदिर जैसे धार्मिक स्थल पर इस तरह की घटना को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई। रजरप्पा मंदिर में युवक से मारपीट, वीडियो वायरल होते ही चार पुलिसकर्मी सस्पेंड #rajrappa #ramgarh #jharkhandnews #newssamvad pic.twitter.com/|evrBEXMBc — News Samvad (@newssam-vaad) March 9, 2026 परिवार के सामने हुई मारपीट घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह बताया जा रहा है कि युवक के साथ उसके परिवार के सामने ही मारपीट की गई। वायरल वीडियो में युवक की पत्नी भी बीच-बचाव करती नजर आती है। वह पुलिसकर्मियों को रोकने की कोशिश करती है, लेकिन हालात शांत होने के बजाय और तनावपूर्ण हो जाते हैं। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक पूरा घटनाक्रम कुछ ही मिनटों में बढ़ गया और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। एसपी ने लिया सख्त फैसला वीडियो वायरल होने और मामले के तूल पकड़ने के बाद रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चारों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। एसपी का कहना है कि पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शिष्टा मेंचार भेंट की। इस अवसर पर कुमार ने मुख्यमंत्री को विभाग के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की प्रति भेंट की। प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विभागीय कार्यों की प्रगति प्रतिवेदन, तथा वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई योजनाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा से अवगत कराया।

राँची जिला प्रशासन ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर आपूर्ति की समस्याओं पर कड़ा रुख अपनाया

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी राँची मंजूनाथ भजन्त्री ने हाल ही में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त घरेलू एलपीजी (एलपीजी) सिलेंडर की कमी संबंधी खबरों पर गंभीर संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। होली पर्व के दौरान जिला में सप्लाई में आई अस्थायी कमी के कारण उत्पन्न परेशानियों को देखते हुए उपायुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची कुमार रजत की अध्यक्षता में ढ्ढह्रष्टरु ॥क्कष्टरु ड्डक्कष्टरु के क्षेत्रीय प्रबंधकों (स्वक्च स्ड्डद्यद्गह्य), ष्टस्ह्र के जिला नोडल अधिकारी तथा राँची जिले की सभी गैस एजेंसियों के प्रोप्राइटर के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की। ऑनलाइन बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी राँची, रामगोपाल पांडेय भी उपस्थित थे।

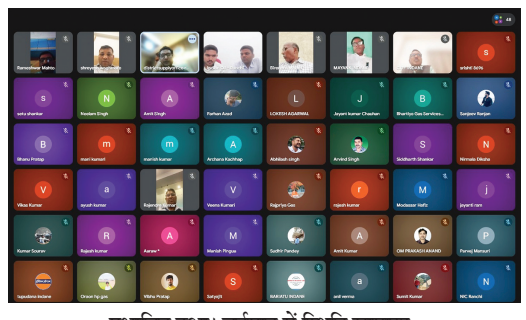

ग्राहकों को सलाह नियमित 14.2 किलो सिलेंडर की बुकिंग कम से कम 25 दिन पहले कर लें बैठक में ढ्ढह्रष्टरु के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि होली पर्व के कारण सप्लाई चेन में अस्थायी व्यवधान आया था, जिससे वितरण प्रभावित हुआ। वर्तमान में स्थिति सामान्य है और कोई कमी नहीं है। ग्राहकों को सलाह दी गई कि नियमित 14.2 किलो सिलेंडर की बुकिंग कम से कम 25 दिन पहले कर लें, जिसके 2-3 दिनों के अंदर होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी उपभोक्ता का सिलेंडर 25 दिन से पहले समाप्त हो जाता है, तो बिना बुकिंग के 5 किलोग्राम तथा 2 किलोग्राम के छोटे सिलेंडर उपलब्ध हैं, जिन्हें गैस एजेंसी से सीधे संपर्क कर डोरस्टेप डिलीवरी के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

यदि किसी उपभोक्ता का सिलेंडर 25 दिन से पहले समाप्त हो जाता है, तो बिना बुकिंग के 5 किलोग्राम तथा 2 किलोग्राम के छोटे सिलेंडर उपलब्ध हैं

अनुमंडल पदाधिकारी सदर ने सभी गैस एजेंसियों से छोटे सिलेंडरों की आपूर्ति एवं बुकिंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। एजेंसियों ने बताया कि छोटे सिलेंडरों के लिए बुकिंग की आवश्यकता नहीं है। बैठक में कंपनियों को निर्देश दिए गए कि वे क्कह्वड्ढद्यद्बष्ठद्द स्श्चद्गष्ठद्ब4 हेतु अलग-अलग टॉल-फ्री नंबर जारी करें तथा इन नंबरों पर हमेशा एक कर्मी की उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ता फोन पर आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें।

व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश- 25 दिन पहले बुकिंग की अनिवार्यता को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए स्स्ब्, बिलबोर्ड, रेडियो, टेलीविजन तथा अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का सख्त निर्देश दिया गया है। साथ ही, सभी कंपनियों एवं एजेंसियों के प्रबंधकों के लिए एक ड्ड्वद्धड्डह्लह्यश्चश्च ग्रुप तैयार करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः बैठक बुलाने के निर्देश दिए गए हैं।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंस- अनुमंडल पदाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट चेतावनी दी कि जिला प्रशासन स्तर पर गैस वितरण की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील है। यदि कोई गैस वितरक या एजेंसी कालाबाजारी में लिप्त पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा की दोनों सीटों पर झामुमो का दावा, एक पर सीता तो दूसरे पर अंजनी को बना सकती है प्रत्याशी

राँची, एजेंसी। झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य की दो सीटों पर होने वाले चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने दोनों सीटों पर अपना दावा ठोक दिया है। हालांकि राज्य में महागठबंधन की सरकार है, जिसमें कांग्रेस और राजद भी शामिल हैं, लेकिन इसके बावजूद झामुमो दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। पिछली बार भी गठबंधन के बावजूद झामुमो ने कांग्रेस को झटका देते हुए अपना उम्मीदवार मैदान में उतारा था और इस बार भी लगभग वैसी ही स्थिति बनती नजर आ रही है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि झामुमो एक सीट पर पार्टी सुप्रीमो रहे शिबू सोरेन की पुत्री अंजनी सोरेन को राज्यसभा भेज सकती है। वहीं दूसरी सीट पर पार्टी पूर्व मंत्री स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पत्नी और वर्तमान में भाजपा की नेत्री सीता सोरेन को प्रत्याशी बना सकती है। हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा में बाहा पर्व के दौरान सीता सोरेन अपनी दोनों बेटियों के साथ पूरे सोरेन परिवार के साथ नजर आई थीं, जिसके बाद राजनीतिक अटकलें और तेज हो गई हैं। राज्यसभा चुनाव मई-जून में संभावित है, लेकिन अभी से राजनीतिक दलों के बीच खींचतान शुरू हो गई है। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने भी एक सीट पर कांग्रेस का दावा जताया है। वहीं झामुमो का कहना है कि अगर झामुमो मजबूत होगा तो महागठबंधन भी मजबूत रहेगा। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता इरफान अंसारी ने अपने पिता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता फुरकान अंसारी को राज्यसभा भेजने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि पार्टी को फुरकान अंसारी के योगदान का सम्मान करना चाहिए। गौरतलब है कि शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई है, जबकि भाजपा के राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसे में दोनों सीटों को लेकर झामुमो और कांग्रेस के बीच तनातनी बढ़ती दिख रही है। वहीं भाजपा में भी इस चुनाव को लेकर हलचल है। फिलहाल भाजपा के पास अपने दम पर एक सीट जीतने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं हैं, लेकिन पार्टी के भीतर जोड़तोड़ की रणनीति पर काम चल रहा है। यह तभी संभव होगा जब इंडिया गठबंधन के कुछ विधायक भाजपा का साथ दें। झारखंड में पहले भी राज्यसभा चुनाव के दौरान हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप लगते रहे हैं, इसलिए इस बार भी राजनीतिक समीकरणों पर सभी की नजर टिकी हुई है।

धनबाद में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, प्रिंस खान गिरोह का शूटर घायल अवस्था में गिरफ्तार

राँची, एजेंसी। कोयलांचल धनबाद में रविवार को पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ से इलाके में हड़कंप मच गया। सरायढेला थाना क्षेत्र के गोविंदपुर मार्ग स्थित धनबाद पब्लिक स्कूल के पास पुलिस और कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गों के बीच जोरदार फायरिंग हुई। इस मुठभेड़ में प्रिंस खान गिरोह का एक शूटर गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अपराधियों की गोलीबारी में एक सब-इंस्पेक्टर भी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह का एक शूटर इलाके में रंगदारी वसूलने के उद्देश्य से आने वाला है। इस सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने गोविंदपुर मार्ग के पास घेराबंदी कर निगरानी शुरू कर दी थी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। बताया जा रहा है कि जैसे ही पुलिस टीम संदिग्धों के करीब पहुंची, अपराधियों ने अचानक पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इसके साथ ही बम से भी हमला किया गया। अचानक हुई इस गोलीबारी से इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। अपराधियों की फायरिंग के बाद पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से कुछ समय तक चली क्रॉस फायरिंग के दौरान गिरोह के एक शूटर के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उसका एक अन्य साथी अंधेरे और अफरातफरी का फायदा उठाकर वहां से फरार होने में सफल रहा। मुठभेड़ के दौरान सरायढेला थाना के सब-इंस्पेक्टर बालमुकुंद को भी गोली लग गई, जिससे वे घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने तुरंत घायल सब-इंस्पेक्टर और गिरफ्तार किए गए शूटर को इलाज के लिए धनबाद के असरफी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फरार अपराधी की तलाश के लिए इलाके में अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

रांची में रसोई गैस की कमी से शहरवासी परेशान,

गोदाम के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें

रांची, एजेंसी। शहर में घरेलू और कामर्शियल गैस सिलेंडर की कमी से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार से गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है।

रविवार को शहर के कई इलाकों में गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोग खाली सिलेंडर लेकर घंटों लाइन में खड़े रहे, तब जाकर उन्हें गैस मिल सकी। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि सिलेंडर लेने के लिए दो घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है।

कुछ जगहों पर तो गैस खत्म होने के कारण कई लोग बिना सिलेंडर लिए ही लौट गए। वहीं कई लोग मोटरसाइकिल पर सिलेंडर लेकर अलग-अलग जगहों पर गैस की तलाश करते भी दिखे।

कामर्शियल गैस सिलेंडर की कमी का असर होटल, ढाबा, माल और कैंटीन संचालकों पर भी पड़ रहा है।

कई व्यवसायियों का कहना है कि उन्हें समय पर गैस नहीं मिल पा रही है, जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले दिनों में छोटे होटल और खाने-पीने के कारोबार पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि उन्हें एजेंसी के गोदाम से खुद गैस सिलेंडर लेना पड़ रहा है। इसके बावजूद उनसे डिलीवरी चार्ज वसूला जा रहा है, जो गलत है। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में जांच कराने और उचित कार्रवाई

गैस सिलेंडर लेने के लिए सबसे अधिक भीड़ कृष्णापुरी के अमरावती कालोनी में देखने को मिली। यहां बड़ी संख्या में लोग खाली सिलेंडर लेकर कतार में खड़े नजर आए।

लोग बढ़ी हुई गैस कीमत और सिलेंडर की कमी को लेकर आपस में चर्चा करते रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक तरफ गैस की कीमत बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर पर्याप्त मात्रा में गैस भी नहीं मिल रही है।

उपभोक्ताओं ने बताया कि नया नियम लागू होने के बाद एक सिलेंडर लेने के बाद दूसरा सिलेंडर करीब 25 दिनों के बाद ही मिल पा रहा है। इतने लंबे अंतराल के कारण कई परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि जिन घरों में संयुक्त परिवार रहता है, वहां गैस जल्दी खत्म हो जाती है। ऐसे में उन्हें मजबूरी में ब्लैक में सिलेंडर खरीदने की नौबत आ सकती है।

गैस की कमी के कारण कई इलाकों में एजेंसियों द्वारा होम डिलीवरी भी बंद कर दी गई है। जब उपभोक्ता एजेंसी के नंबर पर फोन कर जानकारी लेते हैं तो उन्हें चिन्हित स्थानों से गैस सिलेंडर लेने की सलाह दी जाती है।

कुछ उपभोक्ताओं का यह भी कहना है कि कई बार समय बीत जाने के बाद ही घरों तक गैस की डिलीवरी हो रही है। इससे लोगों में एजेंसी के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

पुलिस के सभी जांच अधिकारियों को मिलेगा स्मार्टफोन, नियमों में हुआ बदलाव

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस में अनुसंधान कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों को अब सरकारी योजना के तहत स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने पूर्व में जारी दिशानिर्देशों में संशोधन करते हुए नया आदेश जारी किया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कार्यालय उपकरण मद के तहत अनुसंधान कार्य में उपयोग के लिए मोबाइल फोन खरीदने की राशि उपलब्ध कराई गई है। इससे पहले 17 मार्च 2025 को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार नया मोबाइल फोन केवल उन्हीं अनुसंधानकर्ताओं को देने का प्रविधान था, जिनकी सेवा अवधि चार वर्ष से अधिक शेष हो।

साथ ही यह भी शर्त थी कि पिछले दो वर्षों से अनुसंधान कार्य में संलग्न नहीं रहने वाले या अनुसंधानकर्ता नहीं रहने वाले पदाधिकारियों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

कई जिलों से यह सूचना मिली थी कि इन शर्तों के कारण बड़ी संख्या में अनुसंधानकर्ता इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इसके बाद मामले की समीक्षा की गई। पुलिस मुख्यालय ने पूर्व दिशानिर्देशों में आंशिक संशोधन किया है। अब वर्तमान में अनुसंधान कार्य कर रहे सभी पुलिस पदाधिकारियों को प्रावधान के अनुसार मोबाइल फोन उपलब्ध कराया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की और उन्हें छाता भेंट कर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

रिम्स में रेफर करने का नियम बदला

प्राइवेट अस्पतालों को नई एसओपी का करना होगा पालन

रांची, एजेंसी। निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम से रिम्स भेजे जाने वाले मरीजों की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए रिम्स प्रबंधन ने रेफरल की मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) तैयार की है।

इसका उद्देश्य मरीजों को बिना पर्याप्त उपचार या तैयारी के रेफर किए जाने की समस्या को रोकना और गंभीर मरीजों के उपचार को व्यवस्थित बनाना है।

इस संबंध में रिम्स में निजी अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेदांता अस्पताल, सैमफोर्ड अस्पताल और मां राम प्यारी अस्पताल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और रेफरल प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अपने सुझाव दिए।

वहीं, मणिपाल और पारस अस्पताल के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नहीं हुए। रिम्स प्रबंधन के अनुसार संस्थान में आने वाले कुल मरीजों में करीब 40 प्रतिशत मरीज निजी अस्पतालों से रेफर होकर आते हैं।

इनमें से अधिकांश मरीज शाम 5 बजे से रात 9 बजे के बीच भेजे जाते हैं। इमरजेंसी विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में कुल 5,994 मरीज इमरजेंसी में लाए गए, जिनमें लगभग

1,200 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे।

वहीं, जनवरी में 6,038 मरीज पहुंचे, जिनमें 1,328 मरीज वेंटिलेटर पर थे। इससे स्पष्ट है कि रिम्स पर गंभीर मरीजों का काफी दबाव बना रहता है। प्रबंधन ने बताया कि कई बार बिना चिकित्सकीय आवश्यकता के मरीजों को रेफर कर दिया जाता है या गंभीर मरीजों को उचित स्थिरीकरण (स्टेबलाइजेशन) के बिना ही स्थानांतरित कर दिया जाता है।

इसके अलावा आर्थिक कारणों से उपचार से इनकार, पर्याप्त संसाधन न होने के बावजूद मरीजों को भर्ती करना और अपंजीकृत संस्थानों द्वारा इलाज जैसी समस्याएं भी सामने आती रही हैं। ऐसी स्थितियाँ मरीजों के जीवन के लिए जोखिम पैदा करती हैं। नई एसओपी के तहत निजी अस्पतालों को किसी भी मरीज को रिम्स भेजने से पहले उसकी चिकित्सीय स्थिति का सही आकलन करना, आवश्यक प्रारंभिक उपचार देना और मरीज को स्थिर करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही रेफरल का स्पष्ट कारण दर्ज करना तथा गंभीर मरीजों के स्थानांतरण से पहले आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की उपलब्धता की पुष्टि करना भी जरूरी होगा।

रिम्स प्रबंधन ने सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों से अपील की है कि वे मरीजों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एसओपी के प्रावधानों का पालन करें और सुरक्षित व सुव्यवस्थित रेफरल प्रणाली सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

वेल्लोर जाने के लिए धनबाद को मिली अमृत भारत एक्सप्रेस

रांची/धनबाद, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने दक्षिण भारत और झारखंड के बीच बेहतर रेल संपर्क सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन संख्या 16619/16620 पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस को मंजूरी दे दी है। इस ट्रेन का शुभारंभ 11 मार्च को तिरुचिरापल्ली से किया जाएगा। यह सेवा साप्ताहिक रूप से संचालित होगी और आधुनिक अमृत भारत रेक के साथ चलेगी।

ट्रेन पोदनूर से प्रस्थान कर कोयम्बटूर, तिरुपुर, ईरोड, सलेम, काटपडी, विजयवाड़ा, राजामुंद्री, रायगडा, झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, बोकारो स्टील सिटी और चंद्रपुरा होते हुए धनबाद पहुंचेगी। इसी रूट से वापस भी लौटेगी। इस ट्रेन के चलने से उन यात्रियों को ज्यादा राहत मिलेगी, जो बेहतर इलाज कराने दक्षिण भारत जाते हैं। रांची से प्रतिदिन औसतन 400 यात्री वेल्लोर जाते हैं। खासकर सीएमसी वेल्लोर। काफी राहत मिलेगी।

ट्रेन पोदनूर से शनिवार सुबह रवाना होगी और धनबाद से सोमवार को वापस लौटेगी। मार्ग में कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर वाणिज्यिक ठहराव रहेगा, जिससे झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के यात्रियों को सीधा और सुविधाजनक रेल विकल्प मिलेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान को लेकर भड़की भाजपा, प्रदेश भर में ममता बनर्जी के खिलाफ प्रदर्शन

राँची , एजेंसी। झारखंड में भाजपा एसटी मोर्चा द्वारा प्रदेश भर के सभी जिलों में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी का पुतला दहन कर टीएमसी सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान को लेकर टीएमसी सरकार की आलोचना की।

रांची में भाजपा रांची महानगर एसटी मोर्चा की ओर से फिरायलाल चौक पर ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने विरोध जताते हुए नारेबाजी भी की। कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब देने की मांग की।

इस अवसर पर एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि देश की राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह केवल देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का ही अपमान नहीं है, बल्कि इससे पूरे आदिवासी समाज की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है।

समीर उरांव ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल होने के लिए सिलीगुड़ी के फांसीदेवा पहुंची थीं। उनके अनुसार तय प्रोटोकॉल के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मुख्यमंत्री या कोई मंत्री कार्यक्रम में उपस्थित नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम स्थल छोटा होने के कारण बड़ी संख्या में लोग सम्मेलन में शामिल नहीं हो सके, जिस पर राष्ट्रपति ने भी नाराजगी जताई।

समीर उरांव ने कहा कि यह घटना टीएमसी सरकार की मानसिकता को दर्शाती है और भाजपा इस तरह के अपमान को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले में जवाब देने और माफी मांगने की मांग की।

रांची के अरगोड़ा में वाइन शॉप पर आयकर विभाग का सर्वे, दस्तावेजों की जांच जारी

राँची, एजेंसी। राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक स्थित साहू वाइन शॉप में आयकर विभाग की टीम ने रविवार को सर्वे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग के अधिकारी सुबह करीब 11 बजे वीरेन साहू की वाइन शॉप पहुंचे और वहां मौजूद दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी। टीम दुकान में रखे लेखा-जोखा, बिल और अन्य वित्तीय कागजातों की बारीकी से जांच कर रही है।

कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग ने दुकान के अंदर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी है। विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि व्यापारियों द्वारा अपनी वास्तविक आमदनी छिपाकर आयकर की चोरी किए जाने की सूचना के आधार पर यह सर्वे की कार्रवाई की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग को लंबे समय से कुछ व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आयकर से संबंधित अनियमितताओं की शिकायत मिल रही थी। इसी आधार पर विभाग ने जांच की

प्रक्रिया शुरू की है और संबंधित दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। अधिकारियों की टीम वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की भी पड़ताल कर रही है। इधर, कोडरमा में भी आयकर विभाग की टीम द्वारा एक मिठाई दुकान में सर्वे की कार्रवाई की सूचना मिली है। बताया जा रहा है कि कोडरमा स्थित कन्हैया मिठाई दुकान में भी विभाग के अधिकारी पहुंचकर वहां मौजूद दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। दोनों स्थानों पर आयकर विभाग की टीम वित्तीय दस्तावेजों का मिलान कर रही है और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। फिलहाल विभाग की कार्रवाई जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले में किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी सामने आने की संभावना है।

रांची की सड़कों पर एक साथ उतरे शिया-सुन्नी, नेतन्याहू और ट्रंप के खिलाफ जताया विरोध

रांची, एजेंसी। रांची में एकरा मस्जिद के बाहर शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर एकत्रित हुए और अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टर जलाकर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को लेकर नारेबाजी भी की और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चिंता व्यक्त की।

जुम्मे की नमाज के बाद कांके बड़ी संख्या में शिया और सुन्नी समुदाय के लोग शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए झारखंड राज्य हज समिति के सदस्य हजरत मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि नमरुद ने खुदा होने का ऐलान किया था। पैगंबर इब्राहिम अकेले खड़े रहे, फिरौन ने भी खुदा होने का ऐलान किया, पैगंबर

मूसा अकेले खड़े रहे, जालिम यजीद के सामने हजरत इमाम हुसैन अकेले खड़े रहे।

आज के दौर में उम्मत मुस्लिमा का वह निडर लीडर जो पैगंबर इब्राहिम, पैगंबर मूसा और इमाम हुसैन के इतिहास को फिर से जिंदा कर दिया है, वह सुप्रीम लीडर सैय्यद अयातुल्लाह अली खामेनेई हैं। मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि हम ईरान को सलाम करते हैं कि पूरी दुनिया के पाबंदी के बावजूद उसने खुद को मजबूत बनाया।

मौलाना तहजीबुल हसन ने कहा कि इस्लाम में जान देना, शहीद होना हार की निशानी नहीं बल्कि जीत की निशानी है। पैगंबर मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने अपने परिवार और साथियों के साथ कर्बला के मैदान में शहादत दी और कयामत तक विजेता बने रहे।

समाजसेवी सैयद शाहरुख हसन रिजवी ने कहा कि ईरान हमेशा से भारत के अच्छा दोस्त रहा है। अभी ईरान पर कठिन समय आया है, एक दोस्त होने के नाते भारत ईरान के साथ खड़ा है।

मौके पर शरीफ अंसारी, रजब अंसारी, हाफिज फैयाज, सैफुल्लाह अंसारी, अंजर अंसारी, मोईज अंसारी, ईदुल अंसारी, माजिद अंसारी, इकबाल हुसैन, समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची-इरगांव ट्रेन की महिलाओं ने संभाली कमान

राँची, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर को खास बनाने के लिए रांची-इरगांव ट्रेन का संचालन पूरी तरह महिला कर्मियों के हाथों में सौंपा गया। सीनियर डीसीएम सूची सिंह ने हरी झंडी दिखाकर इस विशेष ट्रेन को रवाना किया।

इस ट्रेन की सबसे खास बात यह रही कि इसके संचालन से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां महिलाओं ने संभालीं। लोको पायलट, गार्ड, टीटीई, ट्रेन मैनेजर और आरपीएफ सुरक्षा कर्मियों सहित कुल 15 महिला कर्मचारियों की टीम ने मिलकर ट्रेन का संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान सीनियर डीसीएम सूची सिंह ने सभी महिला कर्मचारियों को गुलाब का फूल भेंट कर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यों की सराहना की।

मीडिया से बातचीत में सूची सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सम्मान, उनके संघर्ष और उपलब्धियों को याद करने का

दिन है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में महिलाओं के योगदान को सम्मान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में रांची रेलवे स्टेशन से महिला विशेष ट्रेन का संचालन किया गया, जिसमें लोको पायलट से लेकर आरपीएफ तक सभी पदों पर महिलाएं तैनात थीं। उन्होंने कहा कि रांची रेल मंडल हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्टेशन मास्टर चंद कुमारी कच्छप ने कहा कि महिला दिवस केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि महिलाओं को हर दिन आगे बढ़ाने के लिए प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं जागरूक होंगी, तभी समाज भी जागरूक और सशक्त बनेगा। जो महिलाएं अभी भी घर-परिवार तक सीमित हैं, उन्हें भी आगे बढ़ने और अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलना चाहिए।

आरपीएफ में ड्यूटी पर तैनात रीता कुमारी ने कहा कि आज का दिन महिलाओं के लिए गर्व का दिन है। महिलाएं आज शिक्षा, प्रशासन, सुरक्षा और तकनीक सहित हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। फिर भी समाज में कई महिलाएं ऐसी हैं जो अवसरों से वंचित हैं, उन्हें भी आगे आने का मौका मिलना चाहिए।

वहीं रांची रेलवे स्टेशन के ऑपरेशन मैनेजर शशि किंडो ने भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से समाज और देश दोनों का विकास तेजी से संभव है।

प्रदेश में 647 स्वास्थ्य केंद्रों को मिलेगा भवन, कई हेल्थ सेंटर होंगे अपग्रेड; केंद्र ने जारी किए 516 करोड़

रांची, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15वें वित्त आयोग के तहत स्वीकृत स्वास्थ्य योजनाओं में बदलाव की मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके तहत पूर्व में स्वीकृत योजनाओं के कंपोनेंट में बदलाव किया गया है। इसके तहत केंद्र ने 516.70 करोड़ रुपये की संशोधित योजना पर स्वीकृति प्रदान कर दी है। केंद्र के अनुमोदन के बाद राज्य सरकार ने भी इसे लेकर जिलावार संशोधित योजना की स्वीकृति दे दी।

संशोधित योजना के तहत भवनरहित 634 स्वास्थ्य उपकेंद्रों तथा 13 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का निर्माण होगा। इसपर 113.22 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, कई ग्रामीण स्वास्थ्य उपकेंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में अपग्रेड किया जाएगा।

केंद्र ने राज्य सरकार के प्रस्ताव पर कई ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट तथा स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक सेवाओं के विस्तार की योजना की स्वीकृति भी प्रदान की है। साथ ही शहरी स्वास्थ्य उपकेंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में अपग्रेड करने की योजना की स्वीकृति मिली है। दरअसल, मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति ने 15वें वित्त आयोग के तहत पूर्व में केंद्र से स्वीकृत योजनाओं के कंपोनेंट में बदलाव की अनुशंसा की थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की स्वीकृति के बाद इसपर केंद्र से अनुमोदन प्राप्त किया गया। पिछले माह 26 तारीख को केंद्र ने इसपर इस शर्त के साथ अपनी स्वीकृति प्रदान की कि राज्य सरकार निर्धारित अवधि में इन योजनाओं को पूरा करेगी। साथ ही नियमित रूप से योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की रिपोर्ट के साथ-साथ केंद्र को उपयोगिता प्रमाणपत्र भी सौंपेगी।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़ में मंत्री को एस्कॉर्ट कर रहा पेट्रोलिंग वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एसआई समेत तीन जवान घायल

रामगढ़, एजेंसी। जिले के छतरमांडू बॉर्डर के समीप रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब झारखंड सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो की एस्कॉर्ट में चल रही पुलिस गाड़ी को नशे में धुत एक तेज रफ्तार बोलेरो चालक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में एस्कॉर्ट ड्यूटी में तैनात सब इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि एस्कॉर्ट में चल रहा मंत्री का वाहन भी आंशिक रूप से इसकी चपेट में आ गया. जानकारी के अनुसार मंत्री को एस्कॉर्ट करते हुए पुलिस वाहन रांची की ओर जा रहा था. इसी दौरान छतरमांडू के पास रामगढ़ की ओर से कुसमार जा रही बोलेरो के नशे में धुत ड्राइवर ने सामने से एस्कॉर्ट वाहन में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के एयरबैग खुल गए और सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. हादसे में रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर विकास कुमार, पेट्रोलिंग वाहन के चालक और एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए. बताया जाता है कि पेट्रोलिंग वाहन चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया, नहीं तो एस्कॉर्ट में चल रहे अन्य वाहनों को भी गंभीर नुकसान हो सकता था. दुर्घटना के बाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो खुद मौके पर रुके और घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाकर उनके इलाज की व्यवस्था कराई. सूचना मिलने पर रामगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना. रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि घटना की जानकारी मिली. इसके बाद सदर अस्पताल पहुंचकर पुलिसकर्मियों का हाल जाना. उन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया है, सभी सुरक्षित हैं लेकिन चोट लगी है. डॉक्टरों के अनुसार सभी पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें आई हैं, जबकि सब इंस्पेक्टर के चेहरे पर वाहन के शीशे से कट के निशान पड़े हैं. फिलहाल सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है. इधर पुलिस के अनुसार एस्कॉर्ट वाहन को टक्कर मारने वाला बोलेरो चालक कथित रूप से नशे की हालत में था. दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को रामगढ़ थाना लाया गया है और चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में रखा गया है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

प्रदेश का कपल ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच दुबई में फंसे; अब 10 दिन बाद होगी वतन वापसी

रांची, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़े युद्ध तनाव के बीच दुबई में फंसे रांची के नवदंपति के आखिरकार सुरक्षित स्वदेश लौटने का रास्ता साफ हो गया है। स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया (सेल) रांची के अधिकारी अतुल उरांव और लातेहार निवासी उनकी पत्नी डॉ. कंचन बाड़ा मंगलवार सुबह करीब 9 बजे मुंबई से रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उनकी वापसी की खबर से परिवार और शुभचिंतकों में राहत और खुशी का माहौल है। अतुल उरांव और डॉ. कंचन बाड़ा का विवाह 22 फरवरी को रांची में आदिवासी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ था। विवाह के बाद हनीमून के लिए दोनों 27 फरवरी को दुबई गए थे। उनकी वापसी 4 मार्च को तय थी, लेकिन इसी बीच खाड़ी क्षेत्र में अचानक बढ़े युद्ध तनाव और अस्थिर हालात के कारण कई उड़ानें रद हो गईं। इसके चलते दोनों दुबई में ही फंस गए। लगातार उड़ानें रद्द होने से नवदंपति को लगभग एक सप्ताह तक अनिश्चितता और चिंता के बीच इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने सरकार से सुरक्षित वापसी में मदद की गुहार भी लगाई थी। कई बार टिकट बुक करने की कोशिश के बावजूद अंतिम समय में उड़ानें रद हो जाती थीं। अतुल उरांव ने बताया कि आखिरकार 8 मार्च को उन्हें स्वदेश लौटने का टिकट मिल सका, लेकिन इसके लिए उन्हें करीब 1.12 लाख रुपये खर्च करने पड़े। उन्होंने कहा कि लगातार उड़ानें रद होने के कारण हर दिन चिंता और असमंजस में बीत रहा था। भारत लौटने के बाद अब काफी राहत महसूस हो रही है। नवदंपति के रिश्तेदार और सामाजिक कार्यकर्ता अनिल अमिताभ पन्ना ने उनकी सुरक्षित वापसी पर संतोष जताते हुए कहा कि आपात परिस्थितियों में हवाई टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि संकट की स्थिति में सरकार और संबंधित एजेंसियों को हस्तक्षेप कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विदेशों में फंसे नागरिकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। करीब एक सप्ताह तक चिंता में डूबे परिजनों के लिए यह खबर बड़ी राहत लेकर आई है। नवदंपति की सुरक्षित वापसी की सूचना मिलते ही परिवार, मित्रों और परिचितों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। अब सभी को उनके सकुशल रांची पहुंचने का इंतजार है।

गुमला की किसान मंजू बनीं सफलता की मिसाल

खेती के काम में दोहरा संघर्ष झेला

गुमला, एजेंसी। शिवनाथपुर डहुटोली गांव की निवासी मंजू उरांव ने खेती से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। ग्रामीण परिवेश में जहां आज भी महिलाओं के लिए पारंपरिक दायरों को तोड़ना आसान नहीं है, वहीं मंजू उरांव ने कृषि को अपना माध्यम बनाकर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, बल्कि दर्जनों महिलाओं के लिए रोजगार का जरिया भी बनी हैं। कड़ी चुनौतियों, सामाजिक विरोध और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आज अपने क्षेत्र में एक प्रेरणादायी मिसाल के रूप में उभरकर सामने आई हैं।

मंजू उरांव का सफर आसान नहीं रहा। वर्ष 2021 में जब उन्होंने ट्रैक्टर चलाना और स्वयं कृषि कार्य करना शुरू किया, तब गांव के कुछ लोगों ने इसका तीखा विरोध किया। महिलाओं का ट्रैक्टर चलाना और बड़े पैमाने पर खेती करना उस समय कई लोगों को स्वीकार नहीं था।

यहां तक कि उन्हें सामाजिक बहिष्कार की धमकी तक दी गई। लेकिन मंजू उरांव अपने फैसले पर

अडिग रहीं। उन्होंने न केवल ट्रैक्टर चलाना जारी रखा, बल्कि खेती को ही अपनी आजीविका का मुख्य साधन बना लिया। वर्तमान समय में मंजू उरांव लीज पर जमीन लेकर लगभग छह एकड़ भूमि में मटर की खेती कर रही हैं। आधुनिक तकनीक और मेहनत के बल पर वह बेहतर उत्पादन की ओर बढ़ रही हैं।

बीते वर्ष गर्मी के मौसम में मंजू उरांव ने 12 एकड़ लीज में लेकर इसमें तरबूज की खेती की थी। अत्यधिक गर्मी और प्राकृतिक असंतुलन के कारण तरबूज की फसल को भारी नुकसान हुआ। लेकिन मंजू उरांव ने हिम्मत नहीं हारी। नुकसान से टूटने के बजाय उन्होंने फिर से पूंजी की व्यवस्था की और धान तथा मटर की खेती में जुट गईं। मटर साढ़े तीन एकड़ में लगे अच्छी उपज हुई और अब तक दो लाख की मटर बिक्री कर चुकी है ।चार एकड़ जमीन खीरा तरबुज ककड़ी भिंडी लगाने के लिए तैयार कर रही है।

मंजू उरांव के घर की स्थिति अच्छी नहीं थी इसलिए वह अपने नानी के घर लोहरदगा में रहकर पढ़ाई कर रही थी इसी दौरान उसके मामा बिहारी उरांव से खेती करने की प्रेरणा मिली जिज्ञासा जगी तो वह 2021 में इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद खेती करने में जुट गई।

खेती के लिए ट्रैक्टर चलाने लगी ,कई महिलाओं ने इसका विरोध करने लगी। कई सामाजिक संगठन के लोगों ने उसके घर आए और उन्हें ट्रैक्टर गर्ल की उपाधि दे डाली। खेती के साथ-साथ वह हर दिन दर्जनों महिलाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराती हैं।

मंजू उरांव इंटर पास हैं। उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। घर में माता-पिता और भाई हैं। मंजू का पूरा परिवार पारंपरिक खेती करता है। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। खेती से होने वाली आमदनी से वह परिवार का सहयोग करती हैं।

गुमला में भालू ने दो लोगों को किया घायल

एक को खेत जाते वक्त तो दूसरे को घर के दरवाजे पर दबोचा, गांव में दहशत

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा प्रखंड में जंगली भालू के हमले से दहशत का माहौल बन गया है। अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल हो गए हैं। पहली घटना देवाकी कुसुम टोली गांव में हुई, जहां विष्णु उरांव भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि विष्णु उरांव सुबह घर से खेत की ओर जा रहे थे, तभी अचानक झाड़ियों से निकलकर एक जंगली भालू ने उन पर हमला कर दिया। विष्णु ने साहस दिखाते हुए भालू का मुकाबला किया। इस दौरान भालू के गिरने पर वे किसी तरह वहां से भागने में सफल रहे। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भालू जंगल की ओर भाग गया।

हमले के बाद विष्णु उरांव को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। अस्पताल के एक गार्ड ने बताया कि सुबह एक भालू घाघरा पुटो रोड की ओर से अस्पताल परिसर में भी पहुंच गया था। गार्ड ने किसी तरह छिपकर अपनी जान बचाई और शोर मचाने पर भालू वहां से भाग गया।

लोगों का अनुमान है कि यही वही भालू हो सकता है जिसने विष्णु उरांव पर हमला किया था। इसी दौरान दूसरी घटना लफसर गांव में सामने आई, जहां जितेंद्र चिक बड़ाइक पर भी भालू ने हमला कर दिया। जितेंद्र ने बताया कि वह सुबह करीब सात बजे अपने घर के बाहर दरवाजे पर खड़े थे। इसी दौरान अचानक भालू वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया।

टी-20 विश्व कप की जीत पर रांची में जश्न, अल्बर्ट एक्का चौक पर देर रात जुटे

रांची, एजेंसी। टी-20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत के बाद राजधानी रांची में जश्न का अद्भुत नजारा देखने को मिला। रविवार देर रात तक शहर का अल्बर्ट एक्का चौक देशभक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। जैसे ही भारत की जीत तय हुई, हजारों की संख्या में लोग तिरंगा लेकर चौक पर जुटने लगे।

भारत माता की जय और इंडिया-इंडिया के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी वर्ग के लोगों ने मिलकर इस गौरवपूर्ण पल का जश्न मनाया। देखते ही देखते चौक तिरंगों से पट गया और लोगों के चेहरों पर जीत की खुशी साफ झलकने लगी। पटाखों की आवाज और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच लोग एक-दूसरे को बधाई देते नजर आए।

टीम इंडिया की जीत की खबर मिलते ही पूरे शहर में जश्न का माहौल बन गया। सड़कों पर लोग निकल आए और जगह-जगह पटाखे फोड़े गए। आसमान में आतिशबाजी की चमक और सड़कों पर उमड़ी भीड़ ने माहौल को उत्सव में बदल दिया।

कई युवाओं ने तिरंगा लहराते हुए बाइक रैली निकाली। अचीर-गुलाल उड़ाकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। मुख्य सड़कों से गुजरने वाले लोग भी रुककर इस जश्न में शामिल हो गए। देर रात तक अल्बर्ट एक्का चौक देशभक्ति के रंग में डूबा रहा और हर तरफ 'वेल डन टीम इंडिया' और 'हिप-हिप हुर्रे' के नारे सुनाई देते रहे।

मैच के दौरान शहर की छोटी-बड़ी दुकानों, मॉल, क्लब और होटलों में भी क्रिकेट का जबरदस्त जुनून देखने को मिला। दुकानदार और ग्राहक एक साथ बैठकर मैच का आनंद लेते नजर आए। जिन दुकानों में टीवी नहीं था, वे दुकानदार भी जल्दी दुकान बंद कर घर जाकर मैच देखने लगे।

कई होटलों और रेस्टोरेंट में लोग लजीज व्यंजनों के साथ मैच का रोमांच लेते दिखे। चुटिया राम मंदिर के पास प्रोजेक्टर लगाकर बड़ी स्क्रीन पर क्रिकेट प्रेमियों ने मैच देखा। कई मोहल्लों और कॉलोनियों में लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया, जबकि कई परिवारों ने घरों की छत पर एलईडी स्क्रीन लगाकर स्टेडियम जैसा माहौल बनाया।

टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक जीत पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत करोड़ों भारतीयों के गर्व, विश्वास और जुनून का प्रतीक है। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अद्भुत कौशल और शानदार टीम भावना का परिचय दिया।

विधायक कल्पना सोरेन ने भी इसे करोड़ों भारतीयों के सपनों और अटूट विश्वास की जीत बताया। झारखंड मुक्ति मोरचा ने भी टीम इंडिया को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सपनों, विश्वास और जुनून की जीत है। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

रामगढ़ के रजरप्पा मंदिर परिसर में विवाद पुलिस और श्रद्धालु के बीच हुई मारपीट

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिके मंदिर परिसर में पुलिसकर्मियों और एक श्रद्धालु के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि यह घटना रविवार शाम करीब 5:30 से 6:00 बजे के बीच हुई। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रामगढ़ के प्रभारी एसडीपीओ चंदन वत्स ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जमशेदपुर से आया एक श्रद्धालु अपने परिवार के साथ मां छिन्नमस्तिके मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचा था। इसी दौरान वह मंदिर के पीछे के रास्ते से परिसर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया। इसी बात को लेकर श्रद्धालु और पुलिसकर्मियों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद और फिर मारपीट में बदल गई। घटना के समय श्रद्धालु की पत्नी भी मौके पर मौजूद थी।

घटना का जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, उसमें चार पुलिसकर्मी एक श्रद्धालु के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में पुलिसकर्मी श्रद्धालु को पकड़कर पीटते हुए साफ नजर आ रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग घटना को देखते रह गए। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर जैसे धार्मिक स्थल पर इस तरह की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।

मामला बढ़ता देख मंदिर के स्थानीय पुजारियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों को अलग कराया। इसके बाद श्रद्धालु परिवार को मंदिर परिसर से बाहर ले जाया गया, जिससे स्थिति शांत हो सकी। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर नाराजगी जताई है। लोगों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर रामगढ़ के प्रभारी एसडीपीओ चंदन वत्स ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गिरिडीह अंचल उद्यान जल कर हुआ राख, देर रात अचानक भड़की आग

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बेंगाबाद प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित अंचल उद्यान में रविवार रात अचानक भीषण आग लग गई। उद्यान में सूखी झाड़ियों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और तेज लपटें उठने लगीं। आग फैलने से पूरे उद्यान क्षेत्र में धुआं और लपटों का नजारा दिखने लगा। उद्यान के आसपास प्रखंड और अंचल के सरकारी आवास होने के कारण इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास रहने वाले लोग घरों से बाहर निकल आए और स्थिति को लेकर काफी देर तक दहशत बनी रही।

सबसे पहले कुछ स्थानीय लोगों की नजर उद्यान की ओर उठती आग की लपटों पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना बेंगाबाद के अंचल अधिकारी अमीर हमजा को दी। जानकारी मिलते ही प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता बढ़ गई। अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके की ओर रवाना हुई। इस दौरान आसपास मौजूद लोग भी आग को फैलने से रोकने के लिए सतर्क नजर आए।

घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची अग्निशमन दस्ता की टीम ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया। सूखी झाड़ियों में आग फैलने के कारण लपटें तेजी से बढ़ रही थीं, जिससे दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के बाद उद्यान परिसर में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिए जाने के कारण किसी प्रकार की बड़ी क्षति नहीं हुई।

अंचल अधिकारी अमीर हमजा ने बताया कि घटना के समय वे परीक्षा ड्यूटी में थे। इसी दौरान मोबाइल पर अंचल उद्यान में आग लगने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही वे परीक्षा ड्यूटी से लौटकर मौके पर पहुंचे और अग्निशमन दस्ता को बुलाया गया।

दमकल टीम के पहुंचने के बाद लगातार प्रयास कर आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 40 हजार सहिया दीदी को मिला तोहफा

रांची, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची के नामकुम स्थित लोक स्वास्थ संस्थान के प्रेक्षागृह में सहिया सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर झारखंड सरकार ने राज्य की लगभग 40 हजार स्वास्थ्य सहियाओं को बड़ा तोहफा इस सम्मान समारोह में दिया जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी की पत्नी इरफाना इरफान ने स्वास्थ्य सहियाओं को 22 हजार रुपये की एकमुश्त राशि का सांकेतिक चेक प्रदान कर सम्मानित किया.

ज्ञात हो कि झारखंड सरकार की योजना मद से 'झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी' के तहत सभी स्वास्थ्य सहियाओं को 2000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रावधान की गई. इस वित्तीय वर्ष 2025-26 के 11 महीने की एकमुश्त राशि 22 हजार रुपये उनके खाते में ट्रांसफर की गई है.

विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार

सिंह की धर्मपत्नी डॉ. अनिता सिन्हा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा की धर्मपत्नी मीनाक्षी झा उपस्थित थीं. कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा 48 सहियाओं, 24 सहिया साथी, पांच महिला चिकित्सक और 72 सीएचओ व महिला स्वास्थ्य कर्मियों को स्वास्थ्य विभाग में बेहतर योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में दो वैसी स्वास्थ्य सहियाओं को भी सम्मानित किया गया जो अब मुखिया के पद पर निर्वाचित हुई हैं.

महिला सम्मान समारोह में इरफाना इरफान ने कहा कि झारखंड सरकार महिलाओं के स्वाभिमान, आत्मसम्मान और स्वावलंबन का पूरा ख्याल रखती है. झारखंड के मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना इसी बात का पुख्ता प्रमाण है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कल्पना सोरेन हम सभी की प्रेरणा स्रोत हैं. महिला स्वास्थ्य कर्मियों यथा स्वास्थ्य सहिया, एएनएम, सीएचओ और महिला चिकित्सकों के अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें नमन करते हुए उन्होंने सशक्त और एकजुट होने का अहवान किया.

रसोइया, संयोजिका और सेविका संघ का आंदोलन जारी

राँची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया, संयोजिका और सेविका संघ अपनी लंबित मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में आंदोलनरत महिलाएं झामुमो विधायक कल्पना सोरेन से मिलने और अपनी समस्याएं बताने के लिए रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास की ओर जा रही थीं। प्रदर्शनकारी महिलाएं अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपने की तैयारी में थीं।

प्रदर्शनकारी महिलाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने उन्हें मोरहाबादी मैदान के पास ही रोक दिया। इस दौरान महिलाओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। प्रदर्शन के दौरान रसोइया संघ की प्रदेश कोषाध्यक्ष अनीता देवी केशरी गिर गईं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई और सिर फट गया। मौके पर मौजूद अन्य महिलाओं ने उन्हें संभाला और प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया।

अनीता देवी केशरी ने बताया कि वर्ष 2004 से

सरकारी और अल्पसंख्यक विद्यालयों में आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग की गरीब महिलाएं रसोइया, संयोजिका और अध्यक्ष के रूप में काम कर रही हैं। कई महिलाओं ने विद्यालयों में सेवा करते हुए अपने जीवन के 20 से अधिक वर्ष बिताए हैं। उन्होंने बताया कि संयोजिका का कार्य बच्चों की उपस्थिति के आधार पर बाजार से सामग्री लाना, चावल का वितरण करना और रजिस्टर का संधारण करना होता है, जबकि अध्यक्ष विद्यालय की समस्याओं की निगरानी और समाधान का कार्य करती हैं।

संघ के अनुसार संयोजिका और अध्यक्ष को अब तक किसी प्रकार का मानदेय नहीं दिया गया है। उन्होंने बताया कि संगठन ने वर्ष 2005 से लगातार आंदोलन कर सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। वर्ष 2010 में रसोइयों को 10 माह के लिए 1000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया गया था। इसके बाद 2015 में 500 रुपये और 2021 में 500 रुपये की वृद्धि की गई। वर्ष 2024 में मानदेय बढ़ाकर 1000 रुपये किया गया और इसे 12 माह के लिए लागू किया गया। इसके बावजूद वर्तमान में रसोइयों को औसतन लगभग 100 रुपये प्रतिदिन ही मिलते हैं।

संघ ने सरकार से रसोइया और संयोजिकाओं के लिए न्यूनतम वेतन लागू करने की मांग की है। इसके अलावा संयोजिका और अध्यक्ष को भी मानदेय देने, बीमा और पेंशन की व्यवस्था करने, एप्रन-कैप और साल में दो साड़ी उपलब्ध कराने तथा मृत या घायल कर्मियों के परिजनों को मुआवजा और नौकरी देने की मांग भी उठाई गई है। संगठन का कहना है कि इन मांगों को लेकर उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

हिंदू समाज अपनी जड़ों की ओर लौटे, मंदिर और श्मशान पर सबका हो समान अधिकार : सुनीता हलदेकर

रांची, एजेंसी। राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हलदेकर ने कहा कि हिंदू समाज विश्व का सबसे उदार समाज है। इसका फायदा दूसरे लोग उठाते हैं। हिंदू समाज को अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। समाज में समरसता बनी रहे, इस पर सभी लोगों को मिलकर विचार करना होगा।

समाज में मंदिर, श्मशान और जल पर सभी का समान अधिकार होना चाहिए। इसे लेकर हिंदू समाज में कोई भेदभान न हो। वे रविवार को रांची के पंडरा स्थित चटकरपुर में सनातन समाज की ओर से आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित कर रहीं थीं। कार्यक्रम में हिंदू समाज के सैकड़ों सदस्य एकत्रित हुए, जहां वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक संरक्षण और छुआछूत मुक्त समाज के संकल्प को दोहराया। महिलाओं की संख्या काफी थी। सुनीता हलदेकर ने 'रघुकुल रीति' का स्मरण कराते हुए नारी शक्ति के विस्तार, भारत माता की प्रतिष्ठा और सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करने का आह्वान किया। पंच परिवर्तन से व्यक्ति निर्माण और सुदृढ़ परिवार व्यवस्था पर जोर दिया। कहा, परिवार में एकता बनी रहनी चाहिए। हम अलग-अलग रहें परंतु एक रहें।

समय-समय पर मिलते रहें। परिवार में रहने वाले सभी लोग सप्ताह में एक दिन तो जरूरत साथ में भोजन करें। सामाजिक समरसता को बनाए रखें। घर की महिलाएं पर्यावरण संरक्षण को लेकर सजग हों। नागरिक कर्तव्यों का पालन जरूर करें। महाकुंभ की तुलना करते हुए जीवन के हर क्षेत्र में एकजुट रहने का आह्वान किया।इस मौके पर चिन्मय आश्रम, रांची के स्वामी परिपूर्णानंद सरस्वती ने कहा, हिंदू समाज को अपने अतीत को पहचानना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब में नौकरी कर रहे बिहार के युवक की सड़क हादसे में मौत,

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज से सऊदी अरब कमाने गए घनैया गांव के शंभू महतो के 36 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार महतो की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। कानूनी प्रक्रिया के बाद मृतक राजेश का शव शनिवार, 7 मार्च की देर रात गांव पहुंचा। दरवाजे पर शव के पहुंचते ही परिजनों के रोने और चीत्कार से कोहराम मच गया। घटनास्थल पर जुटी भीड़ के लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पकड़ी बसारत पंचायत के मुखिया पति शंभू साह ने बताया कि मृत युवक राजेश महतो पिछले दो साल से सऊदी अरब में एलएंटटी कंपनी के सोलर प्लांट में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। छुट्टी पर घर आने के बाद वह 17 जनवरी को पुन: काम पर लौट गए थे। विगत 9 फरवरी को साइट शिफ्टिंग के दौरान सड़क दुर्घटना में राजेश कुमार महतो की मृत्यु हो गई। मृतक के पिता किसान हैं। उनके तीन बच्चे और पत्नी हैं। इसके अलावा छोटे भाई-बहन भी हैं, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी मृतक पर थी। इस आकस्मिक घटना से परिवार पर भारी आर्थिक संकट छा गया है।

सीवान हाजत से गोलीकांड का आरोपी फरार, एक हफ्ते में दूसरी घटना

सारण , एजेंसी। बिहार के सीवान जिले में पुलिस हिरासत से एक बार फिर आरोपी के फरार होने की घटना सामने आई है। शनिवार शाम सराय थाना हाजत से गोलीकांड का आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुरानी दुश्मनी के चलते सराय थाना क्षेत्र में पप्पू और एक युवक को गोली मारी गई थी। गोली लगने से घायल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और वह अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भभूति तिवारी के पुत्र बबलू तिवारी को गिरफ्तार कर सराय थाना की हाजत में रखा था। बताया जाता है कि शनिवार शाम आरोपी ने संतरी से टॉयलेट जाने की बात कही। संतरी आरोपी को हाजत से बाहर टॉयलेट के लिए ले गया। इसी दौरान मौके का फायदा उठाते हुए आरोपी ने संतरी को धक्का दे दिया और दीवार फांदकर मौके से फरार हो गया। संतरी के शोर मचाने पर अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुका था। गौरतलब है कि यह एक सप्ताह के भीतर दूसरी घटना है जब थाना हाजत से आरोपी फरार हुआ है। इससे पहले मरवा थाना में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी फिरोज अंसारी भी हाजत की दीवार फांदकर फरार हो गया था, जिसे पुलिस अभी तक पकड़ नहीं सकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीवान के एसपी पूरण कुमार झा ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लगातार 18वीं बार फ्री दवा बांटने में बिहार 'नंबर वन' : स्वास्थ्य मंत्री

पटना, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि बिहार सरकार मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी का परिणाम है कि बिहार फरवरी 2026 में भी देश भर में मरीजों को नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराने के मामले में पहले स्थान पर रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार पिछले 18 महीनों से इस मामले में लगातार अव्वल बना हुआ है। बिहार ने पहली बार सितंबर 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी और तब से यह स्थान बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार के साथ दवाएं भी समय पर मिलें। इसके लिए बिहार के सभी स्तर के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त दवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसमें मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जिला अस्पताल, रेफरल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त पीएचसी, शहरी पीएचसी, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और स्वास्थ्य उपकेंद्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को काफी राहत मिली है और उन्हें बाहर से महंगी दवाएं खरीदने की जरूरत कम हुई है। अस्पतालों में दवाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दवा सूची (ईडीएल) का निर्धारण, औषधि प्रबंधन प्रणाली का पालन और प्रभावी रेफरल नीति लागू की गई है।

सड़क हादसे में पटना हाईकोर्ट के वकील दंपती की मौत

पटना, एजेंसी। बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुंजरिया बंगापुल में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कुमार ठाकुर के पुत्र ऋतिक ठाकुर और पुत्रवधू वैष्णवी की मौत हो गई। ऋतिक और वैष्णवी भी अधिवक्ता थे। यह दुर्घटना किशनगंज से 30 किलोमीटर पहले बंगाल में गुंजरिया बंगापुल में उस समय हुई, जब ऋतिक और वैष्णवी अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ फार्च्यूनर कार से सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। इससे उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सीएम बनने के सवाल पर निशांत कुमार का 'साइलेंट पास', कहा- मां की बहुत याद आ रही

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता लेने के एक दिन बाद अपनी मां को याद किया।

सोमवार को वह पटना के कंकड़बाग स्थित मंजू सिन्हा पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान निशांत काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि यहां उनकी मां की प्रतिमा है और वह उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। निशांत ने कहा कि मां की बहुत याद आ रही है और उनका आशीर्वाद हमेशा उनके साथ बना रहे।

मीडिया से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा कि उनकी मां की कमी हमेशा महसूस होती है। उन्होंने कहा, 'मां रहतीं तो और अच्छा होता। उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर बना रहे।'

इस दौरान उन्होंने बिहार के अलग-अलग जिलों में जाने की भी बात कही। निशांत ने कहा कि वह राज्य के सभी 38 जिलों में यात्रा करने की योजना बना रहे हैं और इसे लेकर विचार कर रहे हैं।

पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि कार्यकर्ता उन्हें मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं तो वह इस सवाल को टालते नजर आए।

निशांत इस सवाल का कोई जवाब दिए बिना आगे बढ़ गए। हालांकि उन्होंने पहले ही साफ किया था कि वह पार्टी के लिए मेहनत से काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किए हैं, उन्हें आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि निशांत का राजनीति में स्वागत है।

उन्होंने कहा कि निशांत को राजनीति में लाने का फैसला जदयू का है। वहीं इस मुद्दे पर विपक्ष की भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जदयू नेता ने कहा कि निशांत कुमार को पार्टी में सर्व-स्वीकार्यता है और कार्यकर्ताओं के आग्रह पर ही उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। उन्होंने कहा कि मंत्रियों का फैसला नीतिश कुमार ही करेंगे, नेतृत्व उनका ही रहेगा।

दूसरी ओर मंत्री संजय पासवान ने कहा कि हर पार्टी का अपना नजरिया होता है। उन्होंने कहा कि निशांत को विधायक या मुख्यमंत्री बनाने जैसे सवालों पर जो भी फैसला होगा, वह बैठक में तय किया जाएगा।

बता दें कि रविवार को निशांत कुमार ने औपचारिक रूप से जदयू की सदस्यता ली थी। इस दौरान उन्होंने अपने पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद भी लिया था।

पार्टी में शामिल होने के बाद निशांत ने अपने पिता की तरह हाथ जोड़कर कार्यकर्ताओं और नेताओं का अभिवादन किया। वे सफेद कुर्ता और क्रॉक्स चप्पल पहनकर कार्यक्रम में पहुंचे थे। निशांत ने कहा कि वह पार्टी के लिए पूरी मेहनत से काम करेंगे।

नीतीश-नितिन की जीत के लिए बीजेपी का प्लान,

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर विभिन्न राज्यों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। पार्टी की ओर से 9 मार्च 2026 को इस संबंध में आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने यह नियुक्तियां की हैं, ताकि चुनाव प्रक्रिया को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके।

भाजपा ने बिहार में राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया की निगरानी के लिए दो वरिष्ठ नेताओं को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया है। इनमें छत्तीसगढ़ सरकार के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा ने अन्य राज्यों के लिए भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। हरियाणा के लिए गुजरात सरकार के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है।

पत्नियों के विवाद में फंसे दो युवक गिरफ्तार

आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल करने का आरोप

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में साइबर थाना की पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला तब सामने आया जब दोनों युवकों की पत्नियों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों ने एक-दूसरे की पत्नी से जुड़े आपत्तिजनक फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किए थे।

साइबर थाना में दर्ज आवेदन के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवकों में एक मनीगाछी थाना क्षेत्र का निवासी है, जबकि दूसरा सकतपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। दोनों की पत्नियों ने अपने-अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया था।

साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने बताया कि दोनों आरोपियों की पत्नियों ने एक-दूसरे के खिलाफ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की शिकायत साइबर थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने छापामारी कर दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जांच के दौरान सामने आया कि मनीगाछी थाना क्षेत्र के आरोपी युवक राम सुजीत शर्मा ने एक अविवाहित युवती से फोन पर बातचीत के दौरान उसका आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिया था। इसके बाद वह युवती को ब्लैकमेल करने लगा और शादी नहीं करने की धमकी देने लगा। नवंबर 2025 में युवती की शादी होने के बाद आरोपी ने उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

जब इस घटना की जानकारी युवती के पति कमलेश महतो को हुई, जो सकतपुर थाना क्षेत्र का निवासी है, तो उसने भी बदले की भावना से आरोपी राम सुजीत शर्मा की पत्नी के फोटो पर आपत्तिजनक शब्द लिखकर उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इसके बाद दोनों आरोपियों की पत्नियां अलग-अलग साइबर थाना पहुंचीं और अपने-अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

साइबर थाना पुलिस ने पूरे मामले की जांच करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने कहा कि एक ओर देश में विश्व महिला दिवस मनाया जा रहा है, वहीं महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के खिलाफ होने वाली ऐसी घटनाओं को पुलिस गंभीरता से ले रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पिता ने लगाया 10 लाख की मांग और हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना जिले के पानापुर करियात थाना क्षेत्र के रौशनपुर गांव की बताई जा रही है। मृतका की पहचान पानापुर करियात थाना क्षेत्र के मैसाहा गांव निवासी नंदलाल पाण्डेय की 29 वर्षीय बेटी बबली कुमारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

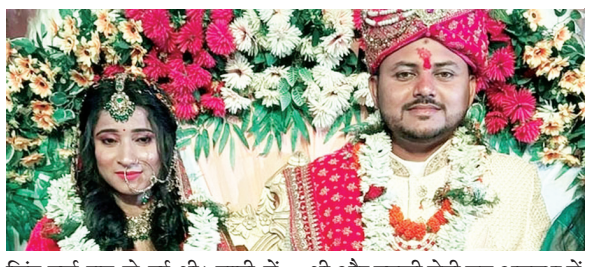

मृतका के पिता नंदलाल पाण्डेय ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। उनका कहना है कि ससुराल पक्ष बिजनेस के नाम पर 10 लाख रुपये की मांग कर रहा था और रकम नहीं देने पर उनकी बेटी को प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने कहा कि आरोपियों को फांसी की सजा मिले तभी उन्हें न्याय मिलेगा और उनकी बेटी की आत्मा को शांति मिल पाएगी।

परिजनों के अनुसार बबली कुमारी की शादी करीब 22 महीने पहले रौशनपुर गांव निवासी आलोक कुमार सिंह के बेटे आकाश सिंह उर्फ रानू से हुई थी। शादी में परिवार की ओर से काफी खर्च भी किया गया था। इसके बावजूद परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष दहेज को लेकर लगातार दबाव बना रहा था।

परिजनों का कहना है कि शादी के लगभग चार महीने बाद से ही दामाद आकाश कुमार, उसके पिता, मां और ननद द्वारा बबली कुमारी को प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि बिजनेस के नाम पर 10 लाख रुपये की मांग की जा रही थी और जब परिवार ने असमर्थता जताई तो उसे लगातार परेशान किया जाने लगा। मृतका के पिता के अनुसार दामाद आकाश कुमार ने फोन कर सूचना दी कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल ले जाया जा रहा है। जब वे मौके पर पहुंचे तो घर के बाहर एंबुलेंस खड़ी थी और उनकी बेटी मृत अवस्था में मिली। उन्होंने यह भी बताया कि बबली कुमारी के गले पर निशान था, जिससे उन्हें हत्या की आशंका है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पानापुर करियात थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को हिरासत में ले लिया है, जबकि ससुर, सास और ननद घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बेगूसराय कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

बेगूसराय , एजेंसी। बेगूसराय में जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। धमकी मिलने के बाद कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पिछली बार की तरह इस बार भी जिला जज के ई-मेल पर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भेजी गई है। सूचना मिलते ही बेगूसराय पुलिस हरकत में आ गई और न्यायालय परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच शुरू कर दी गई। सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर में आम लोगों और मुवक्किलों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, हालांकि न्यायिक कार्य जारी रखा गया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार कुछ दिन पहले भी इसी तरह के पैटर्न पर धमकी मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों को न्याय व्यवस्था के लिए चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। सोमवार सुबह जैसे ही धमकी भरा मेल मिला, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार ई-मेल के जरिए न्यायालय परिसर को विस्फोट से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। मौके पर बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट परिसर के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है। साथ ही न्यायालय परिसर और आसपास के इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब बेगूसराय जिला न्यायालय को इस तरह की धमकी मिली हो। इससे पहले भी ऐसी घटना सामने आ चुकी है, जिसके कारण प्रशासन पहले से सतर्क था।

फिलहाल पुलिस धमकी भरा ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके स्रोत तक पहुंचने के लिए तकनीकी जांच में जुट गई है। सुरक्षा एजेंसियां हर एंगल से मामले की जांच कर रही हैं। खबर लिखे जाने तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कोर्ट परिसर और आसपास के इलाके में हाई अलर्ट जारी है।

बिहार में आधे से अधिक ईंट भट्टे नहीं चुका रहे टैक्स, विभाग सख्त

पटना, एजेंसी। बिहार में संचालित ईंट भट्ठों द्वारा टैक्स भुगतान में बड़ी लापरवाही सामने आई है। खान एवं भूतत्व विभाग की हाल में हुई समीक्षा बैठक में यह तथ्य उजागर हुआ। बैठक में बताया गया कि राज्य में छह हजार से अधिक ईंट भट्ठे संचालित हैं, लेकिन इनमें से बड़ी संख्या में भट्ठों ने समय पर टैक्स जमा नहीं किया है।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार राज्य के करीब छह हजार ईंट भट्ठों में से केवल लगभग 3200 भट्ठों ने ही सरकार को समय पर पूरा टैक्स दिया है। इसके विपरीत करीब 2800 ईंट भट्ठों ने अब तक शून्य टैक्स जमा किया है, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। स्थिति को गंभीर मानते हुए खान एवं भूतत्व विभाग ने संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं।

जिलों के खान निरीक्षकों और खनन विकास पदाधिकारियों को कहा गया है कि जिन भट्ठों ने टैक्स जमा नहीं किया है, उनका तत्काल निरीक्षण किया जाए। विभाग ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि निरीक्षण के दौरान भट्ठों के संचालन से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की जाए। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि कहीं संचालन में नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार टैक्स नहीं देने वाले ईंट भट्ठों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए क्षेत्रीय पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में भट्ठों का भौतिक निरीक्षण करने को कहा गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि निरीक्षण के बाद वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए। पूरी प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करते हुए 15 मार्च तक विस्तृत अंतिम रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

समय पर टैक्स नहीं चुकाने से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। ऐसे में विभाग ने स्पष्ट किया है कि बकाया टैक्स की वसूली के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि सरकारी राजस्व में बढ़ोतरी हो सके और नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

बिहार के कुंवरपट्टी गांव में खेत में लहलहाती मिली अफीम की फसल

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के सिमरी थाना क्षेत्र की भराठी पंचायत के कुंवरपट्टी गांव में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को पुलिस ने नष्ट कर दिया। सूचना मिलने के बाद सिमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खेत में लगी अफीम की फसल को नष्ट करवाई। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि खेत किसका है और फसल किसने लगाई थी, इसलिए अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

मौके पर पहुंचे सिमरी थानाध्यक्ष ने खेत से कुछ पौधों के सैंपल लेकर जांच के लिए कृषि विभाग को भेजने की बात कही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने भी मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि सैंपल की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिमरी निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपने एक दोस्त के घर कुंवरपट्टी गांव गए थे। इसी दौरान उनकी नजर एक खेत में लहलहाती अफीम की फसल पर पड़ी। उन्होंने इसकी फोटो और वीडियो बनाकर संबंधित अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद सिमरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खेत से करीब दस पौधों के सैंपल भी लिए। हालांकि अभी तक अवैध खेती करने वालों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इसे लेकर ग्रामीणों में चर्चा है कि इतनी बड़ी कार्रवाई के बावजूद पुलिस ने अब तक किसी संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ क्यों नहीं की। जानकारों के अनुसार बिना लाइसेंस अफीम (पोस्ता) की खेती करना नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 के तहत गंभीर अपराध है। इस कानून की धारा 8 के तहत मादक पदार्थों के उत्पादन और खेती पर प्रतिबंध है,

चिराग को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की मांग: भाजपा ऑफिस के बाहर लगे पोस्टर लिखा

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इसी बीच एनडीए के भीतर से ही एक नई मांग सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं की ओर से चिराग पासवान को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई गई है।

इसे लेकर पटना में बीजेपी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर भी लगाया गया, जिससे राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो।'

बीजेपी कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में साफ तौर पर चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा हो, ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो। सजाओ इनके सर पर ताज, तभी आएगा बिहार में स्वर्ण काल।' इसके साथ ही पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'मोदी जी का मिला अपने हनुमान को आशीर्वाद, चिराग होंगे बिहार के नए सरताज।' पोस्टर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अगर एनडीए

की सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री का चेहरा चिराग पासवान होना चाहिए। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'बिहार मांगे चिराग, वक्त अब आ गया है युवा मुख्यमंत्री बनाने का। एनडीए की होगी सरकार, सीएम होगा सिर्फ चिराग।'

ये पोस्टर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना जिला अध्यक्ष इमाम गजाली की ओर से लगवाए हैं। पोस्टर लगने के बाद बिहार की राजनीति में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या एनडीए में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं।

इससे पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने भी चिराग पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जताई थी। कुछ दिन पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि, 'मुख्यमंत्री को लेकर अंतिम फैसला एनडीए के बड़े नेता मिलकर करेंगे।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह अपने नेता चिराग पासवान को बिहार के बड़े नेता और राज्य के मुखिया के रूप में देखना चाहते हैं।

भारती ने कहा कि, 'जनता चिराग को बिहार के भविष्य के रूप में देखती है। प्रभारी के तौर पर जिन जिलों का दौरा किया, वहां कार्यकर्ताओं की मांग है कि चिराग आने वाले समय में बड़ी भूमिका निभाएं।'

एलजेपीआर के मंत्री संजय पासवान ने चिराग के सीएम बनाए जाने की मांग पर कहा, कार्यकर्ताओं की भावना होती है हम उनकी भावना का सम्मान करते हैं। अभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। आगे जो भी होगा उसके लिए एनडीए की बैठक होगी। उसमें सभी निर्णय लिए जाएंगे, उसमें जो फैसला होगा उसका हम स्वागत करेंगे। संजय पासवान से पूछा गया कि आप चाहते हैं कि चिराग सीएम बनें तो उन्होंने कहा, एनडीए की बैठक में जो भी फैसला होगा हम उसका स्वागत करेंगे।

टीम इंडिया बनी चैंपियन: न्यूजीलैंड पर जीत के बाद मुजफ्फरपुर में जश्न

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। टीम इंडिया की टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद मुजफ्फरपुर शहर जश्न में डूब गया। क्रिकेट प्रेमियों ने अलग-अलग अंदाज में खुशी मनाई। जगह-जगह आतिशबाजी की गई और गुलाल उड़ाकर लोगों ने टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया।

मुजफ्फरपुर शहर के कल्याणी चौक, सरैयागंज टावर चौक, मक्कन साह चौक समेत कई इलाकों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खास बात यह रही कि मुस्लिम बस्तियों में भी लोगों ने बढ़-चढ़कर जश्न मनाया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और टीम इंडिया की जीत पर खुशी जाहिर की।

शहर के हृदयस्थल माने जाने वाले कल्याणी चौक पर जैसे ही टीम इंडिया के चैंपियन बनने की खबर आई, लोग गाजे-बाजे के साथ सड़कों पर उतर आए। सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने 'जीत गया-जीत गया, टीम इंडिया जीत गया' के नारे लगाए और हाथों में तिरंगा झंडा लहराया।

इस दौरान कई जगहों पर विजय जुलूस भी निकाले गए। सरैयागंज टावर के पास भी सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए और जमकर आतिशबाजी की। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की। वहीं केदारनाथ रोड पर भी लोगों ने गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया।

ब्रह्मपुरा की मुस्लिम बस्ती में भी लोगों ने टीम इंडिया की जीत पर खुशी जताई। स्थानीय लोगों ने कहा कि रमजान के महीने में उन्होंने टीम इंडिया की जीत के लिए दुआ मांगी थी और अल्लाह ने उनकी दुआ कबूल कर ली।

संक्षिप्त समाचार

होली मिलन समारोह में हुई पुष्पवर्षा

अलीगढ़ , एजेंसी। ऋषिपाल सिंह ने कहा कि होली मिलन समारोह से भाईचारा बढ़ता है। होली पर गले मिलकर एक-दूसरे से गिले शिकवे दूर किए जाते हैं। लोग इस बात को अमल में लाएं और गांव व परिवार में भाईचारा बढ़ाएं। हरेंद्र नागर और ज्ञानेंद्र सरधना ने रागिनी गाकर कार्यक्रम में लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान उपेंद्र पलावत, अंशू अग्रवाल, बिजौली प्रमुख उमेश यादव, बोधपाल सिंह, विश्वेंद्र चौधरी, राजीव अग्रवाल, धर्मेंद्र चौधरी, उमेश राघव, तपेश चौधरी, कमल अग्रवाल, अमित राघव आदि मौजूद रहे।

आगरा मेट्रो प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार

आगरा एजेंसी। आगरा मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर के तहत यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण तेज कर दिया गया है और पिलर बनाने के लिए एक और मशीन लगा दी गई है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण तेज कर दिया है। एक मशीन और बढ़ा दी है। दिसंबर तक यह ट्रैक बनकर तैयार होगा। यमुना के पानी को एक ओर से निकासी के लिए रेत हटाकर रास्ता भी बना दिया है। यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक बन रहा है। इसमें यमुना नदी पर पुल बनाया जा रहा है। पिलर बनाने के लिए एक और मशीन बढ़ा दी है। अब तीन मशीनें कार्य कर रही हैं। दोनों ओर से पिलर बनाए जा रहे हैं। पिलर बनाने के कार्य को आसान करने के लिए यमुना के पानी को एक ओर से निकाला जा रहा है। इसके लिए रेत हटाकर रास्ता बनाया है, इससे पिलर बनाने का कार्य आसानी से हो रहा है। दिसंबर तक पुल तैयार होने के बाद दूसरे कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो जाएगा। इससे लोगों को सुविधा मिलेगी। साथ ही भगवान टॉकीज से वाटर वर्क्स तक पिलर तेजी से बनाए जा रहे हैं। वाटर वर्क्स तक 5 से 7 पिलर बनाए जाने बाकी हैं। इनके लिए भी बैरिकेडिंग कर दी है।

फंदे पर लटकी मिली फौजी की लाश, होली पर छुट्टी लेकर आए थे घर

आगरा एजेंसी। आगरा के रोहता क्षेत्र में लेह में तैनात हवलदार उत्कर्ष सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने पैनल से पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच कराई है। आगरा के थाना सदर के रोहता स्थित पीएस गार्डन के पास रह रहे फौजी की शनिवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस अधिकारियों से शिकायत की। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच कराई गई। वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया है। गोरखपुर के बड़हलगंज निवासी उत्कर्ष सिंह (40) फौज में हवलदार थे। उनकी तैनाती लेह-लद्दाख में थी। वह सदर के रोहता में पीएस गार्डन के पास फ्लैट में पत्नी साधना और 10 वर्षीय बेटी के साथ पांच वर्ष से रह रहे थे। शनिवार सुबह पत्नी ने लोगों को पति के फंदे से लटकने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। रविवार को उत्कर्ष के परिजन गोरखपुर से आगरा पहुंचे। पुलिस से मिले घटना के फोटो देखने के बाद उन्होंने मामला संदिग्ध माना। परिजन ने हत्या का शक जताया। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।उत्कर्ष के परिजनों ने बताया कि औरैया निवासी साधना से शादी के बाद दोनों के बीच कम बनती थी। अक्सर विवाद होते रहते थे। पत्नी के दबाव में ही उन्होंने आगरा में फ्लैट खरीदा था। पत्नी अपनी बेटी के साथ रहती थी। छुट्टी के दौरान ही उत्कर्ष फ्लैट पर आते थे। वह होली पर 1 मार्च को छुट्टी लेकर आए थे। आत्महत्या के बाद पत्नी को 10 बजे तक जानकारी नहीं होना शक पैदा कर रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में सेल्समैन का हत्यारोपी गिरफ्तार

कानपुर ब्यूरो। बिधनू में 25 फरवरी की देर रात भवानीपुर गांव के पास देसी शराब ठेके के सेल्समैन के साथी की हत्या करने के एक आरोपी को रविवार देर रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दाहिने पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में उसने तीन लोगों के हत्या में शामिल होने की बात कबूली है। बिधनू इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के अनुसार रविवार देर रात गश्त के दौरान पं. रामसनेही मिश्र मार्ग में लोहे के शटर पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने के लिए कहा गया। उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दाहिने पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए बिधनू सीएचसी लाया गया। पुलिस की पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम फतेहपुर के मधौखी कल्याणपुर निवासी चांद बाबू बताया। उसने बताया कि 25 फरवरी को वह अपने साथियों अमित और शुभम के साथ शादी समारोह में जा रहे थे। देसी शराब ठेके में शराब देने से मना करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर डंडे से सेल्समैन पवन और उसके साथी उदय को पीटकर लहूलुहान कर दिया था। इसमें उदय की मौत हो गई थी।मालूम हो कि भवानीपुर गांव के नजदीक पं. रामसनेही मिश्र मार्ग में स्थित देसी शराब ठेके में फतेहपुर के चांदपुर कुलखेड़ा निवासी पवन तिवारी ठेके में सेल्समैन का काम करते हैं। भवानीपुर गांव निवासी उदय सिंह उर्फ बाबा (53) अक्सर शाम को मित्र से मिलने ठेके आ जाते थे।

1090 चौराहे पर फ्लाईओवर के निर्माण के लिए हरी झंडी

आईआईएम रोड से आने जाने में होगी सहूलियत

लखनऊ, एजेंसी। फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.02 किलोमीटर होगी। यह चार लेन का होगा जिस पर करीब 570 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे से आवागमन आसान हो जाएगा और जाम की समस्या दूर होगी।

ग्रीन कॉरिडोर योजना के तीसरे चरण में गोमती नगर के बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक फ्लाईओवर बनने का रास्ता साफ हो गया है। बसपा सरकार में बने स्मारकों और पाकों के रखरखाव के लिए बनी प्रबंध समिति ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। दरअसल, फ्लाईओवर के बीच में 1090 चौराहे के पास बना गोमती पार्क आ रहा था। ऐसे में स्मारक समिति की अनापत्ति जरूरी थी। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे और समतामूलक चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी।

अभी इन दोनों चौराहों पर लोगों को ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ता है। यह फ्लाईओवर ग्रीन कॉरिडोर परियोजना का हिस्सा है। ऐसे में आईआईएम रोड से गोमती नगर तक सफर आसान हो जाएगा।

ग्रीन कॉरिडोर योजना के परियोजना प्रबंधक एके सेंगर ने बताया कि फ्लाईओवर बैकुंठधाम से शुरू होगा और लामार्ट बॉयज स्कूल तक बनेगा। इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.02 किलोमीटर होगी। यह चार लेन का होगा जिस पर करीब 570 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहे से आवागमन आसान हो जाएगा और जाम की समस्या दूर होगी। इसका निर्माण दो वर्ष में पूरा करने लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए तीन महीने के अंदर टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस फ्लाईओवर के बनने से 1090 चौराहा पर कोई असर नहीं आएगा, क्योंकि यह फ्लाईओवर उसके पास से जाएगा, उसके ऊपर से नहीं।

ग्रीन कॉरिडोर के परियोजना प्रबंधक एके सेंगर का कहना है कि बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक ग्रीन कॉरिडोर योजना के तहत फ्लाईओवर बनना है। एनओसी मिलने से इसका रास्ता साफ हो गया है। फ्लाईओवर बनने से 1090 चौराहे पर जाम की समस्या दूर हो जाएगी।

इन शर्तों के साथ मिली एनओसी- बैकुंठधाम से ला मार्टिनियर तक फ्लाईओवर के निर्माण के बीच में 1090 चौराहे के पास स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर गोमती पार्क, गोमती विहार खंड-1, 2 और 3 आ रहा है। यहां फ्लाईओवर के लिए पिलर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए पार्क और स्मारकों की प्रबंध समिति से एनओसी की आवश्यकता थी।

- इस संबंध में प्रमुख सचिव आवास की अध्यक्षता में 20 फरवरी को प्रबंध समिति की बैठक हुई। यहां एलडीए के मुख्य अभियंता ने योजना की रूपरेखा पेश की। प्रबंध समिति ने इसे जनहित का आवश्यक कार्य मानते हुए निर्माण के लिए निम्न शर्तों के साथ अनुमति दी है।
- निर्माण के दौरान पाकों में स्थापित मूर्तियां इत्यादि क्षतिग्रस्त नहीं होनी चाहिए।
- पार्कों की हरियाली को भी एलडीए अपने खर्च पर दुरुस्त कराएगा।
- फ्लाईओवर के दायरे में जो जमीन आएगी, उसका स्वामित्व परिवर्तन और पाकों के मूल स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

भारत की जीत पर जश्न में डूबे बरेली मंडल के लोग

जगह-जगह आतिशबाजी और लहराया तिरंगा; तस्वीरें

बरेली एजेंसी। अहमदाबाद में खेले गए टी-20 विश्व कप-2026 के फाइनल मुकाबले में भारत की जीत के साथ ही बरेली मंडल के क्रिकेट प्रेमी जश्न में डूब गए। जैसे ही न्यूजीलैंड का अंतिम विकेट गिरा वैसे ही जगह-जगह आतिशबाजी होने लगी। लोग तिरंगा लेकर सड़क पर निकल पड़े। भारत माता की जय के उद्घोष हर ओर सुनाई देने लगे। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और मिठाई बांटी।

फाइनल को लेकर बरेली जिले में पहले से भी खासा उत्साह था। शहर के कई इलाकों में लोगों ने बड़ी स्क्रीन और टीवी पर मैच देखने की व्यवस्था की थी। राजेंद्र नगर स्थित आवास विकास कॉलोनी के पार्क में बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी। जैसे ही भारत की जीत तय हुई लोग खुशी से उछल पड़े।

भरतौल क्षेत्र में भी लोगों ने सामूहिक रूप से स्क्रीन लगाकर मैच देखा। जीत के बाद युवाओं ने ढोल बजाए और मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। कहीं जगह पर लोग तिरंगा लेकर निकल आए और जीत का जश्न मनाया। उत्साही क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ के चलते शहर में जगह जगह जाम की स्थिति रहे।

समर्थकों ने जमकर अबीर-गुलाल उड़ाया। आतिशबाजी भी की गई। शहर के धर्म कांटा क्षेत्र, निजी मॉल और होटलों में भी लोग एक साथ बैठकर मैच देखते रहे। जीत के बाद वहां भी जश्न का माहौल बन गया। लोगों ने कहा कि यह जीत बेहद यादगार है और वर्षों तक क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

क्रिकेटर पंकज यादव ने बताया कि अभिषेक शर्मा की फॉर्म का वापस आना बेहद सकारात्मक रहा। उनकी बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी। ये जीत यादगार रहेगी। प्रशांत पांडेय, पूर्व क्रिकेटर संजू सैमसन और ईशान किशन की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम एक अच्छे स्कोर तक पहुंच सकी। भारत की इस शानदार जीत से बेहद खुशी हुई।

क्रिकेटर यश ने कहा कि जसप्रीत बुमराह ने दमदार गेंदबाजी की और मैच में अहम भूमिका निभाई। यह जीत आने वाली युवा पीढ़ी को खेल के प्रति प्रेरित करेगी। क्रिकेटर अभिजात तोमर ने कहा कि शिवम दुबे ने जिस तरह से आकर दमदार शॉट्स लगाए, वह देखने लायक था। पूरी भारतीय टीम को इस शानदार जीत के लिए शुभकामनाएं।

टी-20 विश्व कप जीत पर झूमी गोरक्षनगरी में भी जश्न.. छूटे पटाखे

गोरखपुर। टी-20 वर्ल्ड कप में मेजबान भारतीय क्रिकेट टीम की जीत का जश्न गांव की गलियों से लेकर शहर के चौक-चौराहों तक मना। एकतरफा फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद से ही उल्लास दिखने लगा था। जगह-जगह पटाखे छोड़कर लोगों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी।

फाइनल मुकाबले का रोमांच ऐसा था कि मैच शुरू होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा था। भारत की जीत तक क्रिकेट प्रेमी टीवी या मोबाइल के स्क्रीन से चिपके रहे। औपचारिक हो चुका मैच जैसे ही समाप्त हुआ, जीत का जश्न शुरू हो गया। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पहाड़ सा स्कोर खड़ा कर पहले ही जीत की आधारशिला रख दी थी। बचा हुआ काम गेंदबाजों ने पूरा किया।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी

आगरा एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर आगरा में भाजपा-आरएसएस की समन्वय बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन हुआ। कानून व्यवस्था, विकास और हिंदुत्व के मुद्दों को लेकर कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियां बताने का होमवर्क दिया गया।

अगले साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए सभी दल तैयारियों में जुटे हुए हैं। शनिवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वयक बैठक में जनता के मुद्दे, अपेक्षाओं और समाधान पर लंबी बैठक हुई। इसमें एक तरह से चुनाव की पटकथा तैयार हो गई है। कार्यकर्ताओं को होमवर्क मिल गया है।फतेहाबाद रोड स्थित अमर कन्वेंशन सेंटर में हुई समन्वयक बैठक में कानून व्यवस्था, विकास और हिंदुत्व के मुद्दे पर डेढ़ घंटे तक बैठक हुई। भाजपा-आरएसएस के पदाधिकारियों की ये उच्चस्तरीय छठवीं और अंतिम बैठक बताई जा रही है। इन बैठकों में प्रदेश के सभी जिलों से पदाधिकारियों ने जनता का इनपुट और समस्याओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने किए जा रहे कार्य और आगामी योजना के बारे में भी जानकारी दी। इन बैठकों के बाद कार्यकर्ता प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, मोदी-योगी राज में हो रहे विकास कार्य और प्रमुख बिंदु हिंदुत्व के भरोसे ही मैदान में उतरेगी।

इसके लिए कार्यकर्ताओं को होम वर्क मिला है। इसमें माफियाराज का खात्मा, बेहतर कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए लोगों को योगी सरकार की उपलब्धियां बताई जाएंगी। शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन समेत अन्य क्षेत्रों में किए गए विकास को भी जनता को बताया जाएगा। धर्मांतरण, अवैध मजार के जरिये अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती बरतते हुए हिंदुत्व विचारधारा को धार दी जाएगी।

फंदे में लटका मिला घरेलू काम करने वाली किशोरी का शव

लखनऊ, एजेंसी। घटना के विरोध में परिजनों ने बालागंज चौराहे पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर मकान मालिक के बेटे को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय आरोपी का पूरा परिवार घ्वार में मौजूद था।

बालागंज रेलवे कॉलोनी में घरेलू काम करने वाली 14 वर्षीय किशोरी का शव रविवार को फंदे से लटका मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के विरोध में किशोरी की हत्या का आरोप लगाया। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को मायापुरम और बालागंज इलाके में सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर मकान मालिक के बेटे को हिरासत में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैगिंग आया है। डॉक्टरों ने दुष्कर्म की जांच के लिए स्लाइड बनाई है और उसे परीक्षण के लिए भेजा गया है।

किशोरी मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली थी। किशोरी के पिता के अनुसार, वह परिवार के साथ इलाके में झोपड़ी बनाकर रहते हैं। बेटी बीते एक वर्ष से बालागंज की रेलवे कॉलोनी में रहने वाले बोकारो स्टील प्लांट से रिटायर्ड बुजुर्ग के मकान में रहकर घरेलू काम करती थी। होली के मौके पर वह दो दिन के लिए घर आई थी। होली के बाद वह वापस काम पर चली गई। रविवार दोपहर बुजुर्ग की पत्नी ने फोन कर बताया कि किशोरी ने फंदा लगा लिया है। परिजन जब वहां पहुंचे तो बेटी का शव बेड पर पड़ा था।

बुजुर्ग की पत्नी ने बताया कि उन्होंने रविवार दोपहर किशोरी से ऊपर वाले कमरे में जाकर काम करने के लिए कहा था। काफी देर तक जब वह नहीं लौटी तो उन्होंने बेटे को ऊपर के कमरे में जाकर देखने के लिए कहा। वह जब वहां पहुंचा तो उसने किशोरी को पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका देखा। मौके पर पहुंची पुलिस किशोरी को ट्रॉमा सेंटर ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है कि बेटी के गले और पैर में चोट के निशान हैं।

प्रदर्शन कर आरोपी पर कार्रवाई की मांग : शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन किशोरी का शव मायापुरम लेकर पहुंचे और सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। घरवालों ने मकान मालिक के बेटे पर किशोरी के साथ गलत काम करने के विरोध में हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने पुलिस पर भी शिकायत के बावजूद रिपोर्ट न दर्ज करने का आरोप लगाया। इसके बाद नाराज लोग किशोरी का शव लेकर बालागंज चौराहे पहुंच गए और चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान यातायात ठप हो गया। पुलिस ने परिजनों की मांग पर मकान मालिक के बेटे के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

कफ सिरप तस्करी के सरगना शुभम और विशाल के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा

वाराणसी , एजेंसी। कफ सिरप की तस्करी मामले में सरगना शुभम जायसवाल और विशाल उपाध्याय के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा की गई है। न्यायालय से जारी नोटिस का तामिला कराने सोनभद्र एसआईटी की टीम वाराणसी और सहारनपुर पहुंची। वहां रविवार को आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा करते हुए मुनादी कराई गई। चेताया गया कि न्यायालय में तय तिथि पर उपस्थित न होने की दशा में दोनों आरोपियों से जुड़ी संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

बताते चलें कि पहली बार 18 अक्तूबर की रात कफ सिरप तस्करी की खेप पकड़ी गई थी। उसी के बाद पूरे प्रदेश में तस्करी का रैकेट फैले होने का मामला सामने आया था। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में दर्ज मामले की छानबीन के दौरान पुलिस ने पाया कि शैली ट्रेडर्स के संचालक शुभम जायसवाल निवासी कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट, वाराणसी और गाजियाबाद के सौरव त्यागी नेटवर्क से जुड़े विशाल उपाध्याय निवासी अशोक विहार कॉलोनी, सारसावा जिला सहारनपुर की तस्करी में अहम भूमिका थी। तस्करी का मामला उजागर होने के बाद जहां शुभम विदेश भाग निकला।

वहीं विशाल उपाध्याय भी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। उनकी फरारी को देखते हुए दिसबर के आखिरी सप्ताह में दोनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। वहीं शुभम के खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कराया जा चुका है। लगातार फरारी को देखते हुए पिछले दिनों न्यायालय ने भी कुर्की (धारा 84बीएनएसएस) की नोटिस जारी की। इसके बाद एसआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर सदानंद राय की अगुवाई वाली टीम ने नोटिस के तामिला (आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा) करने की कार्रवाई की।

एसपी अभिषेक वर्मा के मुताबिक न्यायालय के आदेश के क्रम में पुलिस टीम भेजकर रविवार को दोनों आरोपियों के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा करा दी गई है। तय तिथि पर आरोपी उपस्थिति नहीं हुए तो उनसे जुड़ी चल-अचल संपत्ति के कुर्की की कार्रवाई शुरू हो सकती है।

यूपीसीडा 1400 करोड़ से पीलीभीत में बना रहा एबी मौरी फैक्ट्री

कानपुर एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से पीलीभीत औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित हो रही 1400 करोड़ की एबी मौरी फैक्ट्री को उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस संबंध में यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने रविवार को फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।

नौकरी छोड़ खेतीबाड़ी में उतरे युवा, जैविक खेती से बदली तकदीर

बरेली। लाखों रुपये के पैकेज वाली नौकरियां छोड़कर युवा खेतों का रुख कर रहे हैं। पारंपरिक तरीके छोड़कर खेती-किसानी में नवाचार लाने वाले ये युवा लाखों रुपये की कमाई भी कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर दूसरे युवा भी नई तकनीक से खेती के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

इसके बाद बैंक व नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड से सब्सिडी लेकर पॉली हाउस लगाया। बीज रहित खीरे का बीज पोलैंड से मंगाया। उन्होंने बताया कि 35 दिन के भीतर एक फसल तैयार हो जाती है। होटलों से संपर्क करके वह उपज की सीधी बिक्री भी कर रहे हैं। इससे अच्छा मुनाफा भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि खेती से वह साल में सात से आठ लाख रुपये की बचत कर रहे हैं। दादाजी भी अपनी पारंपरिक खेती छोड़कर मेरे काम में शामिल होने लगे हैं।

राजकुमार ने लगाए पॉली हाउस

वहीं, रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बॉटनिकल गार्डन में एक समय पर काम करने वाले युवा किसान राजकुमार ने भी कई विश्वविद्यालय की नौकरी छोड़ खेती शुरू की। वह बताते हैं कि उन्होंने भाइयों के साथ मिलकर अब तक चार पॉली हाउस लगाए हैं। यहां वह लाल व पीली शिमला मिर्च के साथ ही खीरा भी उगा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में काम करने के दौरान पौधों की देखभाल, कीड़ों से बचाव का प्रशिक्षण मिला। इसका फायदा अब मिलता है। इजरायली ड्रिप इरिगेशन

तकनीक से सिंचाई करके वह पानी की बचत भी कर रहे हैं। लागत भी घटी है।

लाल बहादुर ने स्थापित की मशरूम के बीज की प्रयोगशाला

फरीदपुर के गांव किर्सुरा के रहने वाले लाल बहादुर कई वर्षों से मशरूम की खेती कर रहे हैं। इससे पहले वह कई नौकरियां भी कर चुके हैं।

वह बताते हैं कि पहले हरियाणा व पंजाब के एक इंस्ट्रक्टर को बुलाकर ट्रेनिंग ली। बीज भी बाहर से मंगाया। करीब दो साल पहले मशरूम के बीज बनाने के लिए प्रयोगशाला स्थापित की। अब वह बीज का निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1.5 टन मशरूम की पैदावार हो रही है। इससे करीब 25 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

7वीं बार घोड़ी चढ़ने की तैयारी में 55 साल के पिता, शादी रुकवाने के लिए थाने पहुंचा नाबालिग बेटा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अपने 55 वर्षीय पिता पर सातवीं शादी की तैयारी करने का आरोप लगाते हुए नाबालिग बेटे ने थाने में तहरीर देकर रोक लगाने की मांग की है। बेटे ने पिता पर जमीन बेचने के लिए एडवांस पैसे लेने का भी आरोप लगाया है।

क्या है पूरा मामला

अहरौला थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग बेटे ने थाने में तहरीर देकर अपने पिता पर सातवीं शादी करने का आरोप लगाया है। बेटे ने बताया है कि उसके 55 वर्षीय पिता अभी तक छह शादियां कर चुके हैं, अब सातवीं शादी करने की तैयारी में लगे हुए हैं। बेटे ने बताया है कि पिता ने मेरी मां से तीसरी शादी की थी, उसके पहले दो शादियां और कर चुके थे। अभी तक कुल छह शादियां कर चुके हैं। छठवीं शादी 2024 में की थी। छठवीं पत्नी कुछ दिन रहने के बाद जमीन अपने नाम करने की बात कहने लगीं। पिता ने जमीन उनके नाम नहीं की तो वह जेवर की मांग करने लगी। जब जेवर भी नहीं मिला तो वह कहीं अन्यत्र चली गई। अब पिता सातवीं शादी के लिए कुछ लोगों के संपर्क में है। उन्होंने सातवीं शादी करने का लालच दिया है। इसके लिए पिता ने बची हुई जमीन बेचने के लिए किसी से 50 हजार रुपये एडवांस में भी ले लिया है।

बेटे ने कहा कि इसके पहले पिता आधे से ज्यादा जमीन गिरवी रख चुके हैं। पिता का लिया गया कर्ज वह कई बार चुकता किया है। अभी वह 12वीं का छात्र है। पिता उसे जबरिया कमाने के लिए भेज दिए थे। अभी वह बाहर रहता है, लेकिन 12वीं की परीक्षा देने घर आया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि बेटे की तरफ से पिता पर लगाए गए आरोपों की जांच कर पिता को समझाने की कोशिश की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मालवीय नगर में फिर नॉर्थ ईस्ट की छात्राओं से अभद्रता, नस्लीय कमेंट के बाद की मारपीट

नईदिल्ली, एजेंसी। एक पखवाड़े के भीतर मालवीय नगर में ही नॉर्थ ईस्ट की छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का दूसरा मामला सामने आया है। इस बार छात्राओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के साथ ही उन पर हमला भी किया गया। दो छात्राओं में से एक घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार हो रही घटनाओं को लेकर उत्तर पूर्वी समुदाय से जुड़े संगठनों ने चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पीड़िताओं के संपर्क में है। जल्द उनके बयान दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई होगी।दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के मुताबिक रविवार शाम के समय साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कांप्लेक्स स्थित एक पार्क में मणिपुर की एक लड़की अपनी दोस्त के साथ टहल रही थी। तभी कुछ अराजक तत्वों ने उन पर कुछ कमेंट्स किए। जब लड़कियों में से एक ने कमेंट्स पर एतराज किया तो दोनों पक्षों में बहस होने लगी। आरोप है कि युवकों ने इस दौरान छात्रा पर हमला कर दिया। घायल लड़की को मेडिकल जांच और इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक वह ठीक है और उसे मामूली चोट आई है। पुलिस टीम पीड़िता से लगातार संपर्क में है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि 20 फरवरी को भी मालवीय नगर में ही अरुणाचल प्रदेश की तीन युवतियों के साथ दंपती ने विवाद किया और उन पर नस्लीय टिप्पणी की थी।

बवाना में डीयू के छात्र की गोली मारकर हत्या

शाम को दोस्त से मिलने निकला था, सुबह सड़क किनारे मिली लाश

नई दिल्ली, एजेंसी। बवाना थाना क्षेत्र के पूठखुर्द स्थित अपने घर से शनिवार की शाम निकले एक युवक की देर रात दो गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह सड़क किनारे शव देखकर लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हत्या किसने और क्यों की, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पुलिस आरोपितों का पता लगा रही है। मृतक की पहचान 24 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई है। बवाना थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक भूपेंद्र के परिवार में पिता कुलदीप, माता और एक छोटा भाई व एक बड़ी बहन है। पिता कुलदीप टीपीडीडीएल में इंजीनियर हैं। भूपेंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। पीड़ित परिवार ने बताया कि शनिवार की शाम वह अपनी स्कूटी से किसी दोस्त से मिलने के लिए अकेला घर से निकला था। रात 10 बजे परिवार की भूपेंद्र से फोन पर बात भी हुई थी। उस समय भूपेंद्र जल्द ही घर आने की बात कह रहा था। देर रात तक भूपेंद्र के घर नहीं आने पर पीड़ित परिवार ने बार-बार भूपेंद्र के मोबाइल पर फोन किया, लेकिन भूपेंद्र ने फोन रिसीव नहीं किया। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने भूपेंद्र का पता लगाने के लिए उसके दोस्तों व रिश्तेदारों से संपर्क किया। फिर भी कुछ पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह पता चला कि सुल्तानपुर रोड पर पूठखुर्द स्थित राज वाटिका के पास भूपेंद्र को किसी ने गोली मार दी है। जिसके बाद पीड़ित परिवार घटनास्थल पर पहुंचकर इसकी जानकारी पुलिस को दी। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक व्यक्ति घायल हालत में सड़क किनारे पड़ा है, जिसे पास के ही अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने युवक को गोली लगने से मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर ही मृतक का स्कूटी व मोबाइल फोन भी मिला है।

यमुनापार सड़कें बनीं मलबे का ढेर, लगातार बढ़ रहा हादसों का खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में यमुनापार की सड़कों पर सिर्फ यातायात का ही भार नहीं है, बल्कि अवैध रूप से डाले गए मलबे और भवन निर्माण सामग्री का बोझ भी ढो रही हैं। इलाके की कई मुख्य सड़कें स्थायी डंपिंग जोन में तब्दील हो गई हैं, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन सड़कों पर चलना जोखिम भरा हो गया है। दो लेन की सड़कें अतिक्रमण के कारण एक लेन में सिमट कर रह गई हैं। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब इन स्थानों पर हादसे का खतरा न बना रहता हो।

गाजीपुर, कड़कड़ी मोड़, कोंडली मोड़, प्रीत विहार और अजित नगर की जिन सड़कों पर वाहनों को फर्राटा भरना चाहिए था, वहां भवन निर्माण सामग्री और मलबे के ढेर लगे हुए हैं। इससे सड़कें दुर्घटना संभावित क्षेत्र में बदल गई हैं। अतिक्रमण के कारण इन सड़कों की चौड़ाई आधे से भी कम रह गई है। वाहनों के गुजरने पर धूल उड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की हालत और खराब हो जाती है। मालवाहक वाहनों से रोजाना सड़क किनारे मलबा डाला जाता है, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। गाजीपुर मंडी के पास निगम पार्किंग के पास सड़क

डंपिंग जोन में बदल चुकी है। सड़क के दोनों ओर मलबा डाला जा रहा है, जिससे सड़क अपनी पहचान खो चुकी है। धूल और मलबे से सड़क पूरी तरह पट गई है और बरसात में यह जानलेवा बन जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब एक साल पहले तक सड़क की स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद यहां मलबा डाला जाने लगा और धीरे-धीरे पूरी सड़क डंपिंग जोन में तब्दील हो गई। पास में उत्तर प्रदेश की सीमा होने के कारण अब दिल्ली और यूपी दोनों तरफ से यहां मलबा डाला जा रहा है।

नाला रोड पर लगा है मलबे का अंबार

कोंडली मोड़ के पास से गुजरने वाली नाला रोड इलाके को एनएच-नौ से जोड़ती है। इस सड़क की हालत यह है कि आवागमन की एक लेन पूरी तरह मलबे से ढक गई है। पुराने घरों की टूटी छतों और ईंट-पत्थरों के ढेर राहगीरों की जान को खतरे में डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क से भारी वाहनों से लेकर ई-रिक्शा तक गुजरते हैं। सड़क की चौड़ाई कम होने और बेतरतीब पड़े मलबे के कारण अंधेरे में दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन और माफियाओं की मिलीभगत से राहगीरों की जान जोखिम में डाली जा रही है। निर्माण विहार में डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास बीच सड़क पर निर्माण सामग्री फैली हुई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों के आवागमन से धूल के गुबार उड़ते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में सड़कों पर बिखरी रेत राहगीरों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। आए दिन यहां दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। क्षेत्र को सड़कों पर फैले मलबे से छुटकारा दिलाने का प्रयास जारी है। दिशा कमेटी की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की गई है। बैठक में मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को इस पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शहर को मलबे से मुक्त कराने के लिए जल्द ही अलग से डंपिंग जोन बनाउ जाएंगे।

अशोक विहार में 10 लाख की कोकीन के साथ ड्रग तस्कर गिरफ्तार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में फैला था नेटवर्क

नईदिल्ली, एजेंसी। अशोक विहार इलाके में कोकेन सप्लाई करने आए एक युवक को उत्तर पश्चिम जिला स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अभिषेक अस्थाना के रूप में हुई है। इसके कब्जे से पुलिस ने 11 ग्राम कोकेन और एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर पूरे सिंडिकेट और इससे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की एसटीएफ की टीम लगातार ड्रग तस्करों पर निगरानी रख रही थी। पुलिस टीम ने मुखबिरों को इलाके में सक्रिय किया। निरीक्षक संदीप यादव को एक सप्लायर के अशोक विहार इलाके में ड्रग्स सप्लाई में सक्रिय होने की जानकारी मिली। टीम गठित कर पुलिस ने सप्लायर पर निगरानी शुरू की। मार्च को पुलिस टीम ने स्कूटी से आए विजय विहार फेज-1 रोहिणी निवासी अभिषेक अस्थाना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 11 ग्राम कोकेन तथा एक स्कूटी बरामद कर ली। बरामद कोकीन की कीमत 10 लाख रुपये आंकी गई है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी अभिषेक अस्थाना ड्रग सिंडिकेट संचालित करने में संलिप्त था तथा हाल ही में उसने उत्तर-पश्चिम जिले में ड्रग तस्करी नेटवर्क को बढ़ाया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिषेक अस्थाना पहली बार पुलिस गिरफ्त में आया है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

अभी से 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा पारा

दिल्ली-एनसीआर में पड़ेगी भयंकर गर्मी, आईएमडी ने बताया अगले सप्ताह तक कैसा रहेगा मौसम

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार तीखी होती गर्मी के तेवर आगे भी नरम पड़ने की संभावना नहीं लग रहे। मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर जाएं तो अगले तीन दिनों में ही दिल्ली में अधिकतम तापमान 38 डिग्री पार चला जाएगा। न्यूनतम तापमान भी इसी सप्ताह 20 डिग्री तक पहुंच जाएगा। अगले सप्ताह भर के दौरान मौसम में बदलाव की भी कोई संभावना नहीं है। इस दौरान बादलों की आवाजाही भले लगी रहे, लेकिन किसी पश्चिमी विक्षोभ या वर्षा होने की उम्मीद नहीं दिख रही। हालांकि, सप्ताहांत में तापमान में एक दो डिग्री की कमी देखने को मिल सकती है। रविवार को भी दिनभर आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली रही। अधिकतम तापमान सामान्य से 7.2 डिग्री अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 94 से 28 प्रतिशत रिकॉर्ड

हुआ। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री की दृष्टि से रिज रविवार को राजधानी का सबसे गर्म इलाका रहा। वहीं, सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री के लिहाज से राजघाट सबसे गर्म इलाका रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हालांकि, तेज धूप भी निकलेगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 और 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

लेबनान में भारी तबाही, इजराइली हमलों में मारे गए 350 से ज्यादा लोग, मरने वालों में 83 बच्चे भी शामिल

इजरायल, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच जारी संघर्ष में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री रकन नसरुद्दीन ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि 2 मार्च से अब तक इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 394 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 83 बच्चे और 42 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा 1,130 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री रकन नसरुद्दीन ने बताया कि घायलों में 254 बच्चे और 274 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कई हमले रिहायशी इलाकों और आम नागरिकों की सुविधाओं पर भी हुए हैं, जिससे आम लोगों को भारी नुकसान हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार पिछले 48 घंटों में कई घातक घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन हमलों में कई कस्बों और गांवों को निशाना बनाया गया, जिससे कई लोगों की जान गई और कई घायल हो गए। सबसे दर्दनाक घटना में सामने आई। यहां एक हवाई हमले में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार छोटे बच्चे और उनके माता-पिता शामिल थे। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

नेपाल चुनाव में ऐतिहासिक उलटफेर: बालेंद्र शाह की पार्टी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, पीएम मोदी ने जनता को दी बधाई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के आम चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है।बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है और अब सरकार बनाने की स्थिति में आ गई है। नेपाल के अनुसार प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से आरएसपी 117 सीट जीत चुकी है, जबकि कई अन्य सीटों पर भी आगे चल रही है। चुनाव का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब 35 वर्षीय बालेन शाह ने झापा-5 सीट से चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया।इस जीत के बाद बालेन शाह के नेपाल का अगला प्रधानमंत्री बनने की संभावना मजबूत हो गई है।

इस चुनाव में नेपाल की पुरानी पार्टियों को बड़ा झटका लगा। कई बड़े नेता भी चुनाव हार गए, जिनमें कई पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह परिणाम नेपाल में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पुरानी राजनीति के खिलाफ जनता की नाराजगी को दिखाता है।विशेष रूप से युवाओं और नए मतदाताओं ने बदलाव के लिए बड़ी

भूमिका निभाई। नेपाल में राजनीतिक बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के सफल आयोजन पर नेपाली जनता को बधाई दी। भारत ने उम्मीद जताई है कि नई सरकार के साथ दोनों देशों के विकासात्मक संबंध और मजबूत होंगे। नेपाल की राजनीति में नया अध्याय पिछले 18 वर्षों में 14 सरकारें देखने वाले नेपाल में यह चुनाव नई राजनीतिक दिशा की शुरुआत माना जा रहा है। यदि बालेन शाह प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन सकते हैं। और देश में नई पीढ़ी के नेतृत्व का प्रतीक बनेंगे।

पेट्रोल पंप पर चली गोलियां, एक कर्मचारी की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब पाकिस्तान तक पहुंचने लगा है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच सीलकोट में एक पेट्रोल पंप पर विवाद के बाद गोलीबारी हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार को एक पेट्रोल पंप पर हुई। रिपोर्ट के अनुसार लोगों के बीच यह डर फैल गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से बंद होने की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस वजह से कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पुलिस के अनुसार एक कार में आए दो लोग पेट्रोल भरवाने के बाद अपने साथ लाए दो डिब्बों में भी पेट्रोल भरवाना चाहते थे। लेकिन पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने सरकारी नियमों का हवाला देते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस के मुताबिक कार सवार लोगों ने पहले कर्मचारियों को धमकी दी और वहां से चले गए। करीब एक घंटे बाद वे हथियारों के साथ वापस आए और पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर हमला करते हुए गोलीबारी कर दी। इस हमले में तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 25 वर्षीय मोहम्मद सिबतैन ने दम तोड़ दिया। बाकी दो घायलों की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

कनाडा में घास काटने वाली मशीन से बर्फ हटा रहा आदमी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के शहर ब्रैंपटन से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक शख्स ड्राइववे से बर्फ हटाने के लिए रेगुलर लॉन मूवर का इस्तेमाल कर रहा है। वीडियो में आदमी को ड्राइववे पर बर्फ की पतली परत पर इलेक्ट्रिक या गैस से चलने वाले मूवर को आगे-पीछे करते हुए देखा जा सकता है।

लॉन मूवर से बर्फ हटा रहा शख्स: वीडियो में आदमी लॉन मूवर से लगातार बर्फ हटाने की कोशिश करता दिख रहा है। मूवर के ब्लेड घूमते हैं लेकिन ज्यादातर गीली बर्फ को हटाने के बजाय बिखेर देते हैं। आदमी की कुछ देर की मशक्कत के बाद बर्फ कुछ हद तक हट भी जाती है। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को काफी लाइक कर रहे हैं। इस वीडियो को जर्नलिस्ट क्रिस ब्रुनेट ने शेयर किया है। क्रिस ब्रुनेट ने पोस्ट में लिखा, ब्रैंपटन के एक आदमी का लॉनमूवर से अपने ड्राइववे से बर्फ हटाने का यह वीडियो कैनेडियन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लॉन मूवर का इस्तेमाल

लॉन मूवर का इस्तेमाल मुख्य रूप से लॉन, पार्क और खेल के मैदानों के लिए घास को एक जैसी, अच्छी ऊंचाई तक काटने के लिए किया जाता है, जिससे घास ज्यादा हेल्दी और घनी होती है। लॉन मूवर का इस्तेमाल बेसिक कटिंग के अलावा खरपतवार को कंट्रोल करने, पत्तियों को मल्च करने और ज्यादा उगी हुई जगहों को मैनेज करने के लिए भी किया जाता है।

संपादकीय | विकसित भारत के सपने में हकीकत के रंग भरता 'गुजरात'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस धरती पर विकसित भारत का जो ख्वाब स्वयं देखा और समस्त देशवासियों को दिखाया, आज उसी धरती जैसा विकास का रंग पूरे भारत की सरजमीं पर नजर आ रहा है। विकसित भारत का एक खूबसूरत उदाहरण है, 'गुजरात'। गुजरात की धरती सिर्फ उद्योग, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, परिवहन, पर्यटन, डेयरी आदि क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास का ही नाम नहीं है, बल्कि इस विकास की गति में इस राज्य ने अपनी विरासत और संस्कारों का दामन कसकर थामे रखा है। यह राज्य इस बात का गवाह है कि जो ख्वाब व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर लोक हित के लिए देखे जाते हैं, वे निश्चित रूप से साकार होते हैं। इसका एक उदाहरण गुजरात के एकता नगर का 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' है। यह सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस प्रतिमा पर सरदार पटेल जी द्वारा पहनी गई जैकेट के दूसरे और तीसरे बटन के बीच बनी जगह में खड़े होकर जब कोई व्यक्ति बाहर की ओर देखता है, तो पहली नजर में उसे सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का सपना साकार होता हुआ दिखाई देता है। यह सपना 'सरदार सरोवर बांध' का था।

उनकी दूरदृष्टि आज केवल 'गुजरात की जीवन-रेखा' ही नहीं, बल्कि इस बांध का कई पड़ोसी राज्यों को भी फायदा हो रहा है। सरदार सरोवर बांध का पानी गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लगभग 18 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचाई प्रदान करता है। यह हजारों गांवों और कई शहरी केंद्रों को पीने योग्य पानी की आपूर्ति करता है। इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 1,450 मैगावाट है, जो गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश

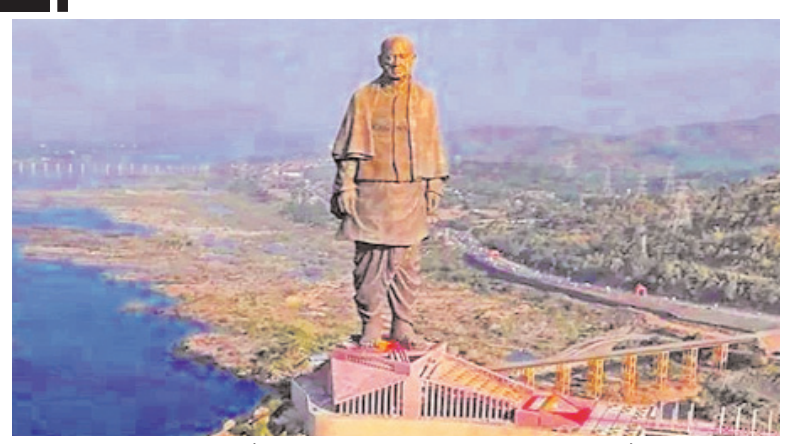

में समान रूप से सांझी की जाती है। सरदार सरोवर बांध के निकट स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई पर्यटन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो इस इलाके को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना रहे हैं। इस क्षेत्र में लगभग 375 एकड़ में फैला सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क, फूलों की घाटी, आरोग्य वन, मियावाकी वन, कैक्टस गार्डन और एकता क्रूज जैसे करीब 27 से अधिक मनोहारी पर्यटन स्थल हैं, जो यहां पर्यटकों को 2-3 दिन ठहरने के लिए विवश कर देते हैं। इन पर्यटन स्थलों में केवल स्थानीय निवासियों को ही रोजगार दिया गया है। यहां ऑटो चालक केवल महिलाएं ही हैं।

अहमदाबाद में भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अपने आप में विकसित परिवहन प्रणाली की एक झलक प्रस्तुत करती है। लगभग 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना विकसित भारत की उस तस्वीर का प्रतिबिंब है, जहां आने वाले कुछ वर्षों में ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी। निःसंदेह गुजरात का विकास बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ रहा है लेकिन साथ ही यह राज्य अपनी 4500 साल पुरानी विरासत को भी संभाल रहा है। अहमदाबाद से सिर्फ 80 किलोमीटर दूर, 'लोथल हड़प्पाकालीन बंदरगाह नगर' के दर्शन होते हैं। यह बंदरगाह एक नदी के तट पर बनाया गया था, जो समुद्र से जुड़ती थी, जिससे व्यापार और परिवहन सुगम हो जाता था। यह स्थान प्राचीन भारतीय इतिहास में व्यापार और अर्थव्यवस्था के विकास का प्रतीक है। इस स्थान से कुछ ही दूरी पर राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर परियोजना द्रुत गति से प्रगति कर रही है। इस परिसर के केंद्र में एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समुद्री संग्रहालय तैयार हो रहा है, जिसमें 14 विषय-आधारित दीर्घाएं बनाई जा रही हैं। इन दीर्घाओं में विभिन्न प्रभावशाली तरीकों से भारत की समुद्री ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा।

मधुमेह के उपचार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि

स्टेम-सेल थेरेपी से टाइप-2 डायबिटीज को पूरी तरह से रिवर्स करने में चीनी वैज्ञानिकों को मिली कामयाबी को अगर दुनिया से मधुमेह के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक कदम कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. डायबिटीज (मधुमेह) एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में अब तक यही कहा जाता था कि यह एक बार हो जाए, तो मरते दम तक साथ नहीं छोड़ती. इसीलिए चीनी वैज्ञानिकों के नए प्रयोग को रीजेनरेटिव मेडिसिन में नया युग माना जा रहा है. स्टेम सेल थेरेपी के चार चरण होते हैं जिसमें मरीज के परिजनों से पहले स्टेम-सेल लिया जाता है, फिर इन स्टेम-सेल के डीएनए

में विशेष रासायनिक जेनेटिक प्रसंस्करण किया जाता है, इसके बाद स्टेम-सेल जब बीटा सेल में तब्दील हो जाती है तो उन्हें साथ विकसित करके स्वस्थ पैंक्रियाटिक ऊतकों का गुच्छा तैयार किया जाता है और अंत में इंसुलिन बनाने वाले इन गुच्छों को मरीज के पैंक्रियाज में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है. इस थेरेपी का प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है और अगर यह तकनीक बड़े पैमाने पर सफल होती है तो इसमें कोई शक नहीं कि यह दुनिया भर में डायबिटीज के करोड़ों मरीजों के लिए एक स्थायी, व्यक्तिगत और दर्द-मुक्त समाधान साबित होगी. डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसके मरीजों में हार्ट अटैक, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप का खतरा काफी बढ़ जाता है. यह अंधापन (डायबिटिक रेटिनोपैथी), मोतियाबिंद या ग्लूकोमा जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है. शुगर का उच्च स्तर किडनी की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे किडनी फेलियर (डायबिटीज नेफ्रोपैथी) की नौबत तक आ सकती है. अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) के वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में लगभग 589-590 मिलियन (59 करोड़) लोग मधुमेह से पीड़ित हैं. इसका मतलब है कि वैश्विक आबादी के हर नौ में से एक व्यक्ति इससे पीड़ित है. चिंता की बात यह है कि इनमें से आधे (लगभग 252 मिलियन) लोगों को पता ही नहीं है कि उन्हें यह बीमारी है. परिणामस्वरूप बीमारी के शुरुआती दौर में वे इसे रोकने के लिए एहतियाती कदम उठा ही नहीं पाते और जब तक उन्हें इसका पता चलता है, तब तक यह गंभीर रूप धारण कर चुकी होती है. लेकिन डायबिटीज के इलाज का कारगर उपाय मिलने का यह मतलब नहीं है कि हम डायबिटीज होने के कारणों को ही नजरंदाज कर, खान-पान में स्वच्छंदता बरतने लगें. अगर हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित करना नहीं सीखेंगे तो एक बीमारी का इलाज भले ही मिल जाए लेकिन दूसरी बीमारी का प्रादुर्भाव होते देर नहीं लगेगी.

आज का कार्टून

दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी...

नीरज कुमार दुबे

> देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है। इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है।

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

खेल सिखाते हैं जिंदगी के बड़े सबक...

> खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो। खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है। ऐसे ही हाकी या फुटबाल जैसे खेलों में पीछे हट कर खेलने से 'सेल्फ गोल' हो जाया करते हैं। इसलिए खेलों में आक्रामक खेलना उच्च कोटि की कूटनीति मानी जाती है।

विप्रम

खेलों से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं, पर सीखते नहीं। न ही कभी कोशिश करते हैं। शायद इसीलिए हम अपने बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित नहीं करते, बल्कि खेल के समय में कटौती कर उन्हें पढ़ने पर जोर देते हैं। मानो हम खेलों की अनदेखी कर रहे हों। जबकि पढ़ाई का अपना महत्त्व होता है, तो खेलों की अपनी अहमियत है। खेलों से हम अनुशासन ही नहीं, भाईचारा यानी सौहार्द भी सीखते हैं। खेलों की दुनिया में कोई भी किसी खास धार्मिक पहचान में कैद नहीं होता। सब सूरत से और सीरत से भी सिर्फ खिलाड़ी होते हैं। जाति-धर्म, भाषा-रंग और देश-प्रदेश सब भूल कर जब ये खेल के परिधान में आते हैं, तो एक ही रंग में हो जाते हैं। जीत की तरंग में जिस झंडे के तले खेल रहे होते हैं, उसकी शान में पूरी जान लगा देते हैं। समानता का उदाहरण बताने के लिए यह पर्याप्त होगा कि गली-मोहल्ले में क्रिकेट खेली जा रही हो या फुटबाल या कोई अन्य खेल, वहां खिलाड़ियों के लिए पानी से भरी एक बाल्टी होती है और उसमें रखा होता है एक गिलास, एक-एक कर खिलाड़ी अपनी प्यास बुझाता है, बिना किसी भेदभाव के। पानी का एक गिलास या एकता का पाठ पढ़ाया करता है। संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के लिए वहां पानी राहत का काम करता है, तो

जीत की ओर बढ़ रहे खिलाड़ियों को धैर्य का संदेश देता है। फिर भी न जाने क्यों, हम कुछ नहीं सीखते!

देखा जाए तो खेलों से हिम्मत आती है, साहस का संचार होता है। और तो और, एक जिद पनपती है, जिसे दृढ़ इच्छाशक्ति या एक जुनून कह सकते हैं। बेरुखी में दीवानापन का नाम भी दे दिया जाता है। इसकी वजह भी है कि खेलने पर जब हम आते हैं, तो खेलते ही चले जाते हैं। न रात देखते हैं, न दिन। भूखे-प्यासे खेलने में इतने मस्त कि न धूप की चिंता, न बारिश का भय। बिल्कुल बेपरवाह। बचपन में बच्चे खेलते तो अपनी उम्र के हिसाब से ही हैं, पर हंसी इसलिए आती है इन पर कि इनके खेल निराले होते हैं... बचपने भरे। कभी घर-घर खेलते हैं, तो कभी डाक्टर-डाक्टर या छुप्पम-छुपाई जैसे अनेक खेल। खुल कर खेला करते हैं बच्चे। बीच-बीच में खेलते हुए लड़ते हैं, तो लड़ते हुए खेलते हैं। यानी कभी कुट्टी करते हैं, फिर तुरंत ही रजामंदी की पुच्ची भी कर लेते हैं। यही आगे चल कर जीवन-शैली बना ली जाए, तो कहने क्या?

असल में बचपन की लड़ाई थोड़ी देर के लिए होती है। प्रमुख होता है खेलना... खेलते रहना। एक पार्क में कुछ बच्चे आपस में खेल रहे थे। एक बच्चे ने दूसरे को धक्का दे दिया। धक्के से वह बच्चा गिर गया और रोने लगा। धक्का देने वाला बच्चा उसे देख खुद भी रोने लगा। इसे देखा-देखी के असर में रोना कहना उचित नहीं। असल में धक्का देने वाला वह बच्चा जानता है कि उसे इसकी सजा मिल सकती है। इससे बचने की सोची-समझी तरकीब भी समझी जा सकती है। यह भी संभव है कि गिरने वाले बच्चे को रोते देख उसके भीतर डर पैदा हो गया हो और वह भी रोने लगा। वैसे गिराना-उठाना खेलों का हिस्सा होते हैं। खेल ही सिखाते हैं दम से खेलो, जम के खेलो। खेलों से रणनीति ही नहीं, कूटनीति भी सीखना चाहिए। क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, बाक्सिंग आदि खेलों में सिखाया जाता है कि आगे बढ़ कर खेलो। पहले खुद पहल करो, ताकि विपक्ष के खिलाड़ी बचाव करें। क्रिकेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि गेंद को बाहर ही मारो, घर में घुसने न दो। कहने का तात्पर्य यह कि बल्लेबाज को 'फ्रंटफुट', यानी आगे बढ़ कर बल्लेबाजी करनी चाहिए। पीछे जाकर 'बैकफुट' खेलने से कोई फिरकी गेंद विकेट गिरा सकती है। ऐसे ही हाकी या फुटबाल जैसे खेलों में पीछे हट कर खेलने से 'सेल्फ गोल' हो जाया करते हैं। इसलिए खेलों में आक्रामक खेलना उच्च कोटि की कूटनीति मानी जाती है। जैसे-जैसे बच्चों की उम्र बढ़ती है, बच्चे स्कूल से कालेज जाने लगते हैं, तो वे खेलों से संघर्ष करना ही नहीं, बल्कि सौहार्दपूर्ण मुकाबला करना सहज ही सीख लेते हैं। आमतौर पर खेलने से पहले और खेल के बाद कोई हारे या कोई जीते, पर रेफरी या अंपायर खिलाड़ियों के आपस में हाथ मिलवाते हैं। दर्शकों का इनसे यथा आदर-अभिवादन भी करवाते हैं। यह एक अच्छा और स्वच्छ तरीका होता है मन के खुले भाव प्रदर्शित करने का। खेलते वक्त जीतने की लालसा में खिलाड़ी खेल के नियम-कायदे भुलाकर लड़ते-झगड़ते भी देखे जाते हैं। फिर भी सबसे प्रमुख यह कि रेफरी, जज या अंपायर, जो भी अंतिम निर्णय देते हैं, वह खेल-भावना के तहत सभी को स्वीकार्य होते हैं। चूंकि खेल एक जरूरत है, इसलिए देखकर खेलना या खेलकर देखना चाहिए, पर खेल सदा चलते रहने चाहिए। सही और उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए खेलों की महती भूमिका होती है। मौसम और वातावरण के अनुरूप दुनिया में खेल खेले जाते हैं। हाकी, क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, बालीबाल आदि प्रमुख खेल हैं। हालांकि मुख्य रूप से दो खेलों को प्रचार मिलता है- क्रिकेट या फुटबाल। क्रिकेट कुछ महंगा खेल है। इसमें हर खिलाड़ी को बैट, पैड, जूते, दस्ताने, हेलमेट आदि महंगी चीजों की जरूरत पड़ती है, जबकि फुटबाल आम लोगों के लिए होती है। केवल फुटबाल वाले जूते पहन के खेला जाए या नंगे पांव। बस खेल-भावना बनी रहनी चाहिए।

गंभीर बोले- जीत द्रविड़ और लक्ष्मण को समर्पित

संजू ने कहा- सचिन की सलाह काम आई, सूर्या ने बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर बताया

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टीम तीसरी बार टी-20 में वर्ल्ड चैंपियन बनी। अहमदाबाद में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन के कारण सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल की अहम पारियां शामिल हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 5 मैचों में 321 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय सचिन तेंदुलकर से हुई बातचीत को दिया। वहीं, कप्तान सूर्या ने जसप्रीत बुमराह को नेशनल धरोहर बताया। गंभीर बोले- जीत द्रविड़ और लक्ष्मण को समर्पित है।

दिव्या को प्राग चैलेंजर शतरंज में तीसरा स्थान, विश्व टॉप 10 में पहुँची

प्राग, चेक गणराज्य (एजेंसी)। वर्तमान महिला विश्व कप विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें फ़ीडे कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर में 9 राउंड के बाद 5 अंक बनाते हुए तीसरा स्थान हासिल करते हुए ना सिर्फ़ विश्व टॉप 10 महिला खिलाड़ियों में खुद को शामिल कर लिया है बल्कि कैंडिडेट शुरू होने के पहले अपनी मजबूत दावेदारी भी प्रस्तुत कर दी है ।

दिव्या इस 10 खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन मजबूत टूर्नामेंट में शामिल दो महिला खिलाड़ियों में से एक थी विश्व नंबर 3 चीन की जू जिनर भी इस मुक़ाबले का हिस्सा थी जो 2.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रही। दिव्या देशमुख नें आख़िरी राउंड में मेजबान चेक गणराज्य के स्टीफन हर्बेक को मात देते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की । चेक गणराज्य के फिनेक वैक्लेव 6.5 अंकों के साथ पहले और स्पेन के यूफ़ा डेनियल 6 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे । भारत के सूर्य शेखर गांगुली 4 अंक बनाकर आठवें स्थान पर रहे । फ़िलहाल दिव्या 2510 फ़ीडे रेटिंग अंकों के साथ विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुँच गई है .2535 अंकों के साथ अभी भी कोनेरू हंपी विश्व में नंबर 5 और भारत की शीर्ष खिलाड़ी बनी हुई है ।

भारत ने 3 साल में 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं

- एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए, संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा
- लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया- रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया।

3 इतिहास बदले

- **पहला-** पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।
- **दूसरा-** पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।
- **तीसरा-** पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

फाइनल के टॉप रिकॉर्ड्स

भारत ने 3 साल में 2 टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी जीती- भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी हासिल कर ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है।

भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाया

इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200+ रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200+ स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250+ स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250+ स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250+ स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।

भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले 5 हीरो

सैमसन ने लगातार 3 फिफ्टी लगाईं, बुमराह टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया है। टीम ने रविवार रात न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। वैसे तो इस ट्रॉफी के लिए सभी प्लेयर्स ने योगदान दिया, लेकिन कुछ प्लेयर्स ऐसे रहे, जिन्होंने कठिन परिस्थियों में प्रदर्शन कर खुद को साबित किया।

- **बड़े मैचों में सैमसन ने फिफ्टी लगाई-** भारत के विकेटकीपर बैटर संजू सैमसन भारत के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए। उन्होंने टीम के लिए लगातार 3 मैचों में फिफ्टी लगाई। लीग स्टेज में प्लेइंग-11 के लिए स्ट्रगल कर रहे संजू को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में मौका मिला। यहां टीम को जीत चाहिए थी।सैमसन ने बैटिंग के लिए चैलेंजिंग पिच पर नाबाद 97 रनों की पारी खेलकर भारत को फाइटिंग टोटल तक पहुंचाया। इतना ही नहीं, सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89-89 रनों की पारी खेली। वे इस टूर्नामेंट में भारत के टॉप स्कोरर रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

- **बुमराह इस टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर-** जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द फाइनल रहे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने कोटे के चार ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट झटके। इतना ही नहीं, वे इस टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर भी बने। उन्होंने 8 मैचों में 14 विकेट झटके।सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह की सटीक गेंदबाजी ने भारत को जीत दिला दी। गुरुवार को 254 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने 15 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बना लिए थे।मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, तभी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई। उन्होंने मिडिल ओवर्स में 2 ओवर फेंके और मात्र 14 रन देकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। यहां से भारत ने 7 रन से मैच जीत लिया।

- **ईशान किशन के नाम 3 फिफ्टी-** टी-20 वर्ल्ड कप से पहले आखिरी समय में टीम में चुने गए ओपनर ईशान किशन ने टूर्नामेंट में 3 फिफ्टी लगा दीं। उन्होंने फाइनल में 21 बॉल में 247.61 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए। किशन ने संजू सैमसन के साथ 48 बॉल पर 105 रन की साझेदारी की।इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ ईशान ओपनिंग करने उतरे, लेकिन उनके सामने अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए।

- **हार्दिक के नाम 217 रन के साथ 9 विकेट-** हार्दिक पंड्या ने बैट और बॉल दोनों से योगदान दिया। उन्होंने 9 मैचों में एक फिफ्टी के सहारे 217 रन बनाए। 160.74 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इतना ही नहीं, पंड्या ने 9 विकेट भी निकाले।इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार्दिक पंड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 12 गेंदों पर 225 के स्ट्राइक रेट से 27 रन बनाए और टीम इंडिया का स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। बॉलिंग करते हुए पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट का विकेट निकाल दिया। उन्होंने 19वें ओवर में 9 ही रन दिए और जीत दिला दी।

- **शिवम दुबे ने फाइनल में 225 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए-** भारत ने फाइनल में 15 ओवर में 203 रन बना दिए थे। तब जिमी नीशम ने 16वें ओवर में संजू सैमसन (89 रन), ईशान किशन (52 रन) और सूर्यकुमार यादव (जीरो) को पवेलियन भेज दिया। उसके बाद अगली 24 गेंद में 28 रन बने। ऐसे में टीम इंडिया का 250 भी पहुंचना मुश्किल लग रहा था।शिवम दुबे ने पारी के 20वें ओवर में जिमी नीशम के खिलाफ दो छक्के और 3 चौके लगाए। उनकी 8 बॉल पर 26 रन की पारी की बदौलत टीम इंडिया ने फाइनल में 255 रन का स्कोर बनाया। उन्होंने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 25 बॉल पर 43 रन की पारी खेली थी।

कप्तान सूर्या वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद हनुमान मंदिर पहुंचे

- देशभर में जश्न, आतिशबाजी के साथ लोग नाचे, तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में दिवाली जैसा माहौल है। प्रशंसक सड़कों पर नाच रहे हैं, आतिशबाजी कर रहे हैं और तिरंगा फहराकर खुशी मना रहे हैं। इधर कप्तान सूर्यकुमार यादव देर रात वर्ल्ड कप ट्रॉफी लेकर अहमदाबाद के हनुमान मंदिर पहुंचे और पूजा की। इस दौरान आईसीसी चेयरमैन जय शाह और टीम के हेड कोच गौतम गंभीर भी उनके साथ थे।

महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर

उरुग्वे के खिलाफ जीत से अभियान शुरू करना चाहेगा भारत

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ क्वालीफायर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। अनुभवी कोच Sjoerd Marijne के टीम से जुड़ने के बाद खिलाड़ियों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। मेजबान भारत अपने पहले मुकाबले में Uruguay के खिलाफ जीत के साथ अभियान की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगा।

विश्व कप के लिए तीन स्थान दांव पर- इस क्वालीफायर टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स, ऑस्ट्रिया शामिल हैं। टूर्नामेंट के पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें आगामी FIH Women's Hockey World Cup के लिए क्वालीफाई करेंगी। यह विश्व कप 14 से 30 अगस्त के बीच Belgium और Netherlands में आयोजित होगा।

कोच मारिन की वापसी से टीम में जोश- डच कोच स्जोएर्ड मारिन के लिए यह टूर्नामेंट मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। वह इससे पहले Tokyo 2020 Olympics में भारतीय टीम को ऐतिहासिक चौथे स्थान तक पहुंचाने के बाद पद छोड़ चुके थे और अब एक बार फिर टीम के साथ जुड़े हैं। उनकी वापसी से भारतीय टीम में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है।

भारत की रैंकिंग और दावेदारी

भारतीय टीम इस समय विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और टूर्नामेंट में इंग्लैंड (7वें स्थान) के बाद दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है। रैंकिंग के आधार पर देखा जाए तो उरुग्वे के खिलाफ भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

28 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2026

- टी-20 वर्ल्डकप फाइनल से पहले ऐलान
- बंगाल-तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में चुनावों के चलते शेड्यूल बदला

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। इसकी घोषणा रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने की।

पहले टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होना था, लेकिन तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हालांकि आईपीएल की ओर से अभी तक टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

चेपॉक, ईडन गार्डन्स में होते हैं मैच- विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं जो आईपीएल वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

चुनाव के कारण दो चरणों में आ सकता है शेड्यूल- 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी बीसीसीआई ऐसा ही करेगा।

बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच- कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी।

धोनी बोले- कोच साहब, आप पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत ने एमएस धोनी को भी सोशल मीडिया पोस्ट करने पर मजबूर कर दिया। पूर्व कप्तान धोनी ने चैंपियन टीम की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की और लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। कोच साहब (गौतम गंभीर), आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है।

वहीं सचिन तेंदुलकर पूरे मैच के दौरान एक्स पर एक्टिव नजर आए। जीत के बाद उन्होंने कहा, टीम इंडिया ने इनक्रेडिबल वर्क किया। विराट कोहली बोले, अहमदाबाद में भारत ने अद्भुत जीत हासिल की।भारत ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल जीता। टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और 3 साल में तीसरा आईसीसी टाइटल अपने नाम किया। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप भी तीसरी बार ही जीता है।

सचिन ने कहा- इनक्रेडिबल वर्क टीम इंडिया, कोहली ने जीत को अद्भुत बताया

बुमराह चैंपियन बॉलर- एमएस धोनी ने 21 महीने बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कोई फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में इतिहास रचा गया। टीम इंडिया, सपोर्ट स्टाफ और सभी फैंस को बधाइयां। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई।कोच साहब (गौतम गंभीर) आपके चेहरे पर मुस्कुराहट अच्छी लगती है। मैच इंटेंसिटी के साथ आपकी स्माइल एक किलर कॉम्बिनेशन है। बेहतरीन प्रदर्शन, मजे कीजिए। बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है। चैंपियन बॉलर।धोनी ने इससे पहले 2024 में टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर ही सोशल मीडिया पर बधाई दी थी। इस बार तो वे सेमीफाइनल और फाइनल के दौरान स्टेडियम में भी मौजूद रहे।

संजू ने स्मार्ट बैटिंग की- सचिन

सचिन तेंदुलकर फाइनल के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक्टिव नजर आए। उन्होंने संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और जसप्रीत की तारीफ की। संजू पर उन्होंने कहा, सैमसन बड़ी स्मार्ट बैटिंग कर रहे हैं, वे जानते हैं कि कहां अटैक करना है और कहां डिफेंड करना है। ईशान किशन ने भी बेहतरीन शॉट्स खेले। मैच के बाद तेंदुलकर बोले, भारत और न्यूजीलैंड के बॉलर्स में यही अंतर रहा कि इंडिया ने स्लोअर गेंदें बहुत ज्यादा इस्तेमाल कीं। अहमदाबाद में शॉर्ट पिच गेंदें और वैरिएशन ही कारगर रहे। टी-20 वर्ल्ड कप लगातार 2 बार जीतना खास

अहसास है। भारत इस ट्रॉफी को जीतना डिजर्व करता है।भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, टीम ने स्पेशल ब्रांड का क्रिकेट खेला। बेहतरीन टीम इंडिया, जय हिंद। जीत के बाद सेलिब्रेशन के लिए मुंबई में नहीं हूं, लेकिन मेरे घर के बाहर लोगों के जश्न के वीडियो देख रहा हूं। बेहतरीन रात। बेहतरीन काम, टीम इंडिया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670